RNI NO. PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

लटका डाले कैमरे, जगह-जगह श्रीमान।
बचना अब चालान से, काम नहीं आसान।
काम नहीं आसान, रूल जो भी तोड़ेगा।
फोटू लेगा खींच, नहीं बिल्कुल छोड़ेगा।
कह साहिल कविराय, लगेगा तगड़ा झटका।
दरवाजे पर समन, सुबह जब होगा लटका।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 356 | TUESDAY DATE 13-01-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

हिमाचल के बाजार में लगी भीषण आग, बच्चे समेत दो की मौत, 8 लापता, तलाश जारी

सिलेंडर फटने से दमकल कर्मियों को आग बुझाने मुश्किलों का करना पड़ा सामना

सोलन, यूटर्न/ 12 जनवरी। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में कई सिलेंडर फटने से अर्की के निचले बाजार में भीषण आग लगी। अब तक बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि 8 लोग लापता बताए जा रहे हैं। इनमें चार बच्चे हैं। आग से सात साल के बच्चे को जिंदा निकाला, लेकिन उसकी अस्पताल में मौत हो गई। राहत और बचाव कार्य जारी है। जानकारी के मुताबिक अर्की के निचले मेन बाजार में बीती रात को आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और एक के बाद एक कई दुकानें धू-धू कर जल गईं। आगजनी के बीच कई सिलेंडर भी फटे और बाजार में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत प्रशासन और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की जद्दोजहद की, लेकिन लगातार हो रहे ब्लास्ट के चलते दमकल कर्मियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस अग्निकांड में करोड़ों रुपए की संपत्ति के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

सेक्स से किया इंकार आरोपी युवक ने 34 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर की ले ली जान

बेंगलुरु, यूटर्न/ 12 जनवरी। बेंगलुरु में सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है, इसमें 34 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर शार्मिला डीके की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है। पुलिस की शुरूआती जांच में अनुमान लगाया गया कि महिला की मौत आग लगने से दम घुटने के कारण हुई थी। शार्मिला, जो एक्सेंचर में कार्यरत थीं, का शव 3 जनवरी को उनके किराए के मकान में राममूर्ति नगर के सुब्रमण्य लेआउट में पाया गया। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा के तहत अस्वाभाविक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में फोरेंसिक साक्ष्यों, तकनीकी विश्लेषण और वैज्ञानिक तरीकों का इस्तेमाल किया गया।

दिल्ली यमुना में फरवरी से चलेंगे क्रूज: मंत्री कपिल मिश्रा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी।**

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अगले महीने से यमुना क्रूज शुरू होने वाला है। यमुना क्रूज को लेकर सभी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी हैं और फरवरी महीने से दिल्लीवासी इसका आनंद उठा सकेंगे। दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने यह जानकारी दी। मंत्री कपिल मिश्रा ने सोमवार को यमुना क्रूज के लिए निमार्णाधीन नाव का निरीक्षण किया। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि गोवा की तर्ज पर मनोरंजनात्मक नौका यात्रा और फेरी सेवाएं अगले महीने से शुरू होंगी। उन्होंने बताया कि अस्थायी रूप से यमुना रिवर संतोष क्रूज नाम की यमुना नौका पर्यटन और फेरी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट का उद्घाटन अगले महीने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा किए जाने की संभावना है। उत्तर पूर्वी दिल्ली में सोनिया विहार और जगतपुर के बीच वजीराबाद बैराज के ऊपरी हिस्से में स्थित यह परियोजना दिल्लीवासियों को एक नया ग्रीन टूरिज्म अनुभव प्रदान करने और पर्यावरण के अनुकूल नदी यात्रा के माध्यम से कनेक्टिविटी बढ़ाने की उम्मीद है। कपिल मिश्रा ने आईएएनएस को बताया कि क्रूज बोट 20 जनवरी को मुंबई से रवाना होगी और 3 से 4 दिनों में दिल्ली पहुंचेगी। इसका इंजन दिल्ली में लगाया जाएगा और फरवरी में मुख्यमंत्री इसका शुभारंभ करेंगी।

एआई का प्रयोग हमें रिएक्टिव नहीं प्रोएक्टिव अप्रोच के साथ करना है : योगी

» **लखनऊ, यूटर्न/ 12 जनवरी।**

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आज शासन को रिएक्टिव से प्रोएक्टिव बनाने का सशक्त माध्यम बन रही है। लखनऊ में एआई इन ट्रांसफॉर्मिंग हेल्थकेयर विषय पर दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन अवसर पर उन्होंने कहा कि तकनीक जब संवेदना से जुड़ती है, नीति जब नवाचार से संचालित होती है और शासन जब विश्वास पर आधारित होता है, तभी विकास समावेशी बनता है और भविष्य सुरक्षित होता है। उन्होंने बताया कि यूपी एआई मिशन के तहत प्रदेश को स्वास्थ्य सेवाओं में एआई के प्रयोग में देश में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में एआई के प्रयोग से स्वास्थ्य नीतियों को अधिक सटीक और प्रभावी बनाया जा सकता है। एआई के उपयोग से महामारियों, वेक्टर जनित रोगों के संबंध में डेटा कलेक्शन और उसके फीडबैक से बेहतर निर्णय, बेहतर नीति और बेहतर परिणाम सुनिश्चित किए जा सकते हैं। हमारी सरकार स्वास्थ्य सेवाओं में तकनीकी उन्नयन और नई तकनीक के प्रयोग को प्रोत्साहित करती रही है। इस क्रम में प्रदेश में मेडिकल डिवाइस पार्क, फार्मा पार्क, लखनऊ में मेडिटेक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, गौतम बुद्ध नगर में एआई एंड इनोवेशन आधारित उद्यमिता केंद्र, आईआईटी कानपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तथा लखनऊ को एआई सिटी के रूप में विकसित करने का कार्य प्रगति पर है।

ग्रीन हाइड्रोजन में भारत-जर्मनी की बड़ी साझेदारी, बनेगा गेम-चेंजर: मोदी

» **गांधीनगर, यूटर्न/ 12 जनवरी।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की मौजूदगी में भारत-जर्मनी के बीच हुए गेम चेंजर मेगा प्रोजेक्ट का उल्लेख किया। सोमवार को गांधीनगर के महात्मा मंदिर कनवेंशन एंड एग्जिबिशन सेंटर में हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के बीच हुए विभिन्न समझौतों की अहमियत बताई।

प्रधानमंत्री ने स्वामी विवेकानंद की जयंती का उल्लेख करते हुए कहा, स्वामी विवेकानंद जयंती के दिन चांसलर मर्ज का भारत में स्वागत करना मेरे लिए विशेष प्रसन्नता का विषय है। ये एक सुखद संयोग है कि स्वामी विवेकानंद जी ने ही भारत और जर्मनी के बीच दर्शन, ज्ञान और आत्मा का सेतु बनाया था। आज चांसलर मर्ज की यह यात्रा उसी सेतु को नई ऊर्जा, नया विश्वास और नया विस्तार प्रदान कर रही है। चांसलर के रूप में यह उनकी भारत ही नहीं, बल्कि एशिया की भी पहली यात्रा है। यह इस बात का सशक्त प्रमाण है कि वे भारत के साथ संबंधों को कितना गहरा महत्व देते हैं।

पीएम मोदी ने इस यात्रा को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि भारत और जर्मनी जैसे देशों की अर्थव्यवस्थाओं के बीच करीबी सहयोग पूरी मानवता के लिए महत्वपूर्ण है। बढ़ते व्यापार और निवेश संबंधों ने हमारे स्ट्रटीजिक पार्ट्नर्शिप को नई ऊर्जा दी है। हमारा द्विपक्षीय व्यापार अब तक के अपने सर्वोच्च स्तर पर पहुंच चुका है और 50 बिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। दो हजार से अधिक जर्मन कंपनियां लंबे समय से भारत में मौजूद हैं। ये भारत के प्रति उनके अटूट विश्वास और यहां मौजूद अनंत संभावनाओं को दर्शाता है। आज सुबह भारत-जर्मनी सीईओ फोरम में इसकी जीवंत झलक दिखाई दी।

प्रधानमंत्री ने उन समझौतों और सहयोग की बात की जो दोनों देशों के बीच है। बोले, भारत और जर्मनी के बीच टेक्नोलॉजी सहयोग प्रति वर्ष मजबूत हुआ है और आज इसका प्रभाव जमीन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में भारत और जर्मनी की प्राथमिकताएं समान हैं।

एल मुरुगन के आवास पर 14 जनवरी को पोंगल कार्यक्रम, पीएम मोदी होंगे शामिल

नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 जनवरी को तमिलनाडु के प्रमुख पर्व पोंगल के अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम सुबह 9:30 बजे केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन के आवास पर आयोजित किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी इस अवसर पर पारंपरिक पोंगल अनुष्ठानों में भी भाग लेंगे। पोंगल तमिलनाडु का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण फसल उत्सव माना जाता है। यह पर्व सूर्य देव, प्रकृति, पशुधन और किसानों के प्रति आभार प्रकट करने के लिए मनाया जाता है, जिन्होंने अच्छी फसल के लिए अपना योगदान दिया। प्रधानमंत्री की भागीदारी को तमिल संस्कृति और किसान समुदाय के प्रति सम्मान के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन तमिलनाडु से आते हैं और वे लगातार राज्य की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देते रहे हैं। उनके आवास पर होने वाले पोंगल कार्यक्रम में फसल से जुड़ी परंपरागत रस्में, धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक गतिविधियां शामिल होंगी।

राघव चड्ढा बने एक दिन के लिए ब्लिंकिट डिलीवरी बॉय, कहा- बोर्डरूम से दूर, जमीनी हकीकत

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी।**

इन दिनों आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा जोमैटो, स्विगी और ब्लिंकइट जैसी ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफॉर्म से जुड़े डिलीवरी एजेंट्स की समस्याओं को उठाने के लिए सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने कुछ ऐसा किया जिसने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच लिया। राघव चड्ढा ने एक दिन के लिए ब्लिंकिट डिलीवरी बॉय की भूमिका निभाई और खुद डिलीवरी एजेंट बनकर सड़कों पर निकल पड़े। राघव चड्ढा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सोमवार को एक वीडियो शेयर किया और लिखा, बोर्डरूम से दूर, जमीनी हकीकत में। मैंने उनका एक दिन जिया। इसके साथ ही उन्होंने स्टे ट्यून्ड ! लिखकर लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी। पोस्ट किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि चड्ढा ब्लिंकिट की पीली यूनिफॉर्म पहनते हैं, पीठ पर डिलीवरी बैग टांगते हैं और एक दूसरे ब्लिंकिट राइडर के साथ स्कूटर पर निकल पड़ते हैं। वीडियो में दोनों डिलीवरी करते नजर आते हैं, कभी लिफ्ट से उतरते हुए तो कभी किसी ग्राहक के दरवाजे तक पहुंचते हुए।

ममता बनर्जी का चुनाव आयोग को पत्र, कहा- बिना गलती के परेशान किए जा रहे वोटर

» **कोलकाता, यूटर्न/ 12 जनवरी।**

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सीईसी ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर एसआईआर के दौरान मतदाता सूची में हो रही कथित गंभीर प्रक्रियात्मक खामियों पर कड़ा ऐतराज जताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा प्रक्रिया से आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और कई योग्य मतदाताओं के नाम गलत तरीके से मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं, जो उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन है। ममता बनर्जी ने पत्र में लिखा कि जिन मतदाताओं को सुनवाई नोटिस भेजे जा रहे हैं, वे पहले से ही वर्ष 2002 की मतदाता सूची से स्वयं या अपने परिजनों के माध्यम से मैप किए जा चुके हैं। ऐसे मामलों में सुनवाई नोटिस जारी करने की कोई आवश्यकता नहीं है। इससे न केवल मतदाताओं में भ्रम फैल रहा है, बल्कि उन्हें बेवजह मानसिक और प्रशासनिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है।

साथ ही, इन नोटिसों को लेकर फील्ड में काम कर रही टीमों को भी जनता के विरोध और नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि मतदाता इसे बिना किसी गलती के उत्पीड़न मान रहे हैं। मुख्यमंत्री ने एसआईआर के दौरान सामने आ रही दो बड़ी खामियों की ओर विशेष रूप से ध्यान दिलाया। पहली खामी यह है कि सुनवाई के दौरान मतदाता अपनी पात्रता से जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज जमा कर रहे हैं..

बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या मुसलमानों को दी जा रही सुरक्षा: अनुराग

सोलन, यूटर्न/ 12 जनवरी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की चुनावी मैनेजमेंट कंपनी आई-पैक के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी ने राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने सोमवार को ममता सरकार पर निशाना साधा। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ह्लममता बनर्जी ने बंगाल को ऐसी हालत में पहुंचा दिया है कि वहां बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या मुसलमानों को सुरक्षा दी जा रही है। कुछ लोग बम बनाने में शामिल हैं, तो कुछ नकली करेंसी के साथ पकड़े जा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह 13 से 15 जनवरी तक करेंगे इजरायल की यात्रा

मत्स्य पालन और जलीय कृषि में सहयोग होगा मजबूत

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी।

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) 13 से 15 जनवरी तक इजरायल की यात्रा पर रहेंगे। सोमवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि यह यात्रा भारत और इजरायल के बीच बढ़ते रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को रेखांकित करती है।

बयान में कहा गया है कि मंत्री राजीव रंजन सिंह इजरायल के कृषि और खाद्य सुरक्षा मंत्री एवी डिक्टर के निमंत्रण पर ह्यसेकेंड ग्लोबल समिट ऑन ब्लू फूड सिक्योरिटी : सी द फ्यूचरह्न में हिस्सा लेंगे।

इस यात्रा से भारत और इजरायल के बीच पुरानी साझेदारी को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। साथ ही मत्स्य पालन और जलीय कृषि के क्षेत्र में सहयोग बढ़ेगा और आपसी हितों से जुड़े नए अवसर भी खुलेंगे।

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा इस बात को दिखाती है कि दोनों देश मत्स्य पालन और जलीय कृषि के क्षेत्र में आपसी सहयोग को और गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ह्यसी द फ्यूचर समिटह्न में भाग लेने के अलावा, मंत्री राजीव रंजन सिंह इजरायल के कृषि मंत्री एवी डिक्टर और सम्मेलन में शामिल अन्य देशों के मंत्रियों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

मंत्रालय ने बताया कि इन बैठकों में नीतियों में तालमेल और संस्थागत साझेदारी को मजबूत करने, टिकाऊ मत्स्य प्रबंधन और आधुनिक जलीय कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने, अनुसंधान, प्रशिक्षण और नवाचार को आगे बढ़ाने, बेहतर बाजार पहुंच और मानकों के जरिए व्यापार व निवेश बढ़ाने, उन्नत जलीय कृषि में संयुक्त अनुसंधान एवं पर्यावरण संरक्षण, जलवायु से निपटने की क्षमता और खाद्य सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

मंत्री राजीव रंजन सिंह इजरायल की प्रमुख कंपनियों और स्टार्टअप्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे, जो कृषि, मत्स्य पालन और जलीय कृषि के क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

इस कार्यक्रम के तहत मंत्री उन प्रमुख संस्थानों और नवाचार केंद्रों का भी दौरा करेंगे, जहां उन्हें मत्स्य पालन और जलीय कृषि के क्षेत्र में इजरायल की आधुनिक और उन्नत तकनीकों के बारे में जानकारी मिलेगी।

मनरेगा बचाओ शांतिपूर्ण मार्च पर क्रूरतापूर्वक लाठीचार्ज की कांग्रेस ने की कड़ी निंदा

जयराम रमेश बोले- योगी-मोदी की ट्रबल-इंजन सरकार को सवालों से होती है घबराहट

» लखनऊ, यूटर्न/ 12 जनवरी।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि यूपी में ह्लयोगी-मोदी की ट्रबल इंजनह्व सरकार ने पुलिस को वाराणसी में पार्टी के राष्ट्रव्यापी ह्यमनरेगा बचाओ संग्रामह्न के तहत शांतिपूर्ण मार्च निकाल रहे एनएसयूआई कार्यकताओं पर ह्लक्रूरतापूर्वक लाठीचार्जह्व करने का आदेश दिया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने एक वीडियो साझा की जिसमें पुलिस को प्रदर्शनकारियों को धक्का देते और उनके खिलाफ बल प्रयोग करते दिखा गया है। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र बनारस में एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मेरे युवा साथी वरुण चौधरी के नेतृत्व में छात्रों ने मनरेगा बचाओ संग्राम मार्च निकाला।

रमेश ने आरोप लगाया कि यह पूरी तरह से शांतिपूर्ण और संवैधानिक अधिकारों के तहत किया गया लोकतांत्रिक प्रदर्शन था, लेकिन योगी-

मोदी की ट्रबल-इंजन सरकार को सवालों से इतनी घबराहट होती है कि उसने पुलिस के जरिये कार्यकताओं पर बेरहमी से लाठीचार्ज करवा दिया। एनएसयूआई कांग्रेस की छात्र शाखा है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी इस घटना को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मनरेगा को खत्म करके करोड़ों मजदूरों से रोजगार का अधिकार छीनने के खिलाफ वाराणसी में शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे एनएसयूआई छात्रों पर बर्बरतापूर्ण बल प्रयोग और गिरफ्तारी अत्यंत निंदनीय है।

देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का इंतजार खत्म: अगले सप्ताह होगी शुरूआत

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी।

भारतीय रेलवे के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। यात्रियों का वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का लंबा इंतजार अब खत्म होने वाला है। खबर है कि देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन अगले सप्ताह से पटरियों पर दौड़ना शुरू कर देगी। इस विशेष ट्रेन की पहली सेवा गुवाहाटी और हावड़ा के बीच शुरू होने जा रही है। अब तक चल रही सभी वंदे भारत ट्रेनें केवल चेयर कार श्रेणी की थीं, लेकिन यह पहली ऐसी ट्रेन होगी जिसमें यात्री रात भर सोकर सफर कर सकेंगे।

इस नई ट्रेन के लिए रेलवे ने कुछ कड़े और विशेष नियम लागू किए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि यात्रियों को इस ट्रेन में आरएसी (रिजर्वेशन अगेंस्ट कैंसिलेशन) की सुविधा नहीं मिलेगी। रेलवे द्वारा जारी हालिया सर्कुलर के अनुसार, इस ट्रेन के लिए केवल कन्फर्म टिकट ही जारी किए जाएंगे। इसमें वेटिंग लिस्ट या आंशिक रूप से कन्फर्म टिकटों का कोई प्रावधान नहीं होगा, जिसका अर्थ है कि यात्रियों को सफर के लिए पहले से ही कन्फर्म सीट सुरक्षित करनी होगी।

किराये की बात करें तो वंदे भारत स्लीपर का सफर राजधानी एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेनों की तुलना में थोड़ा महंगा हो सकता है। रेलवे ने इसमें न्यूनतम दूरी का नियम लागू किया है, जिसके तहत यात्रियों को कम से कम 400 किलोमीटर की दूरी के बराबर का किराया भुगतान करना होगा। किराये का ढांचा श्रेणीवार तय किया गया है: थर्ड एसी के लिए 2.4 रुपये प्रति किलोमीटर, सेकंड एसी के लिए 3.1 रुपये और फर्स्ट एसी के लिए 3.8 रुपये प्रति किलोमीटर की दर निर्धारित की गई है। इस आधार पर न्यूनतम किराया (बिना जीएसटी) क्रमशः 960 रुपये, 1240 रुपये और 1520 रुपये होगा।

हॉर्न बजाने पर दलित युवक को पीटने का आरोप

» खोड़ा, यूटर्न/ 12 जनवरी।

थानाक्षेत्र के प्रकाश नगर निवासी कार शोरूम कर्मचारी कृष्णा गौतम को कॉलोनी के ही रहने वाले चार-पांच युवकों ने पीटकर घायल कर दिया। विवाद महज बाइक का हॉर्न बजाने पर हुआ। झगड़ा 10 जनवरी की रात करीब 8:30 बजे का है जब कृष्णा घर ड्यूटी से लौट रहा था। तहरीर पर पुलिस ने जांच शुरू की। कृष्णा गौतम ने बताया कि वह गाजियाबाद स्थित कार शोरूम में नौकरी करते हैं। शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे वह ड्यूटी से लौट रहे थे। गली के मोड़ पर सुरक्षा के लिहाज से उन्होंने बाइक का हॉर्न बजाया। आरोप है कि कॉलोनी के ही रहने वाले चार-पांच लड़के वहां खड़े थे और उन्होंने हॉर्न बजाने पर झगड़ा शुरू कर दिया। इसके बाद सभी ने जाती सूचक गाली देते हुए दोबारा गली में हॉर्न न बजाने की बात कही। दोबारा करने पर मारने की धमकी भी दे डाली। जब

उन्होंने इसका विरोध तो आरोपियों ने ईंट और पटे से उन्हें पीटना शुरू कर दिया। शोर मचने पर परिवार वाले मौके पर पहुंचे और घायल हालत में उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां इलाज शुरू कराया। शनिवार को पीड़ित परिवार थाने पहुंचा और पुलिस से शिकायत की। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि सभी आरोपी फिलहाल घर से भागे हुए हैं। तलाश की जा रही है और परिवार वालों से पूछताछ की गई है।

यमुना नदी में अवैध खनन, तीन जेसीबी जब्त

» लोनी, यूटर्न/ 12 जनवरी।

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के आदेश पर गाजियाबाद अपर जिलाधिकारी सौरभ भट्ट ने खनन अधिकारी सौरभ भारद्वाज व संयुक्त अंतरराज्यीय कार्यबल के सदस्यों के साथ शनिवार रात पचायरा गांव स्थित रेत खनन पट्टा पर छापा मारा। इस दौरान अवैध खनन कर रही तीन जेसीबी को मौके पर ही जब्त कर सीज कर दिया गया। एनजीटी के आदेश पर क्षेत्र में यमुना नदी में अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए टीम ने कार्रवाई की। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि टीम को गाजियाबाद की सीमा से सात किलोमीटर दूर नदी किनारे दिल्ली की सीमा में तीन जेसीबी मशीनों से अवैध खनन होता मिला। ग्रामीणों ने टीम को बताया कि अवैध खनन गांव पचायरा में दी गई खनन परमिट की

आड़ में दिल्ली की तरफ से किया जा रहा है। रेत खनन के परिवहन के लिए दिल्ली बुरारी थाना क्षेत्र से एक वैकल्पिक मार्ग बनाया गया है। दिल्ली की ओर से खनन एवं परिवहन के लिए परमिट नहीं दिया गया है। इस पर टीम ने दिल्ली के अधिकारियों से संपर्क कर अवैध खनन कर रहीं तीन जेसीबी मशीनों को जब्त कर दिल्ली स्थित बुराड़ी पुलिस को सौंपा।

पाक सेना सीमा पार नए रक्षात्मक ढांचे खड़े कर भारतीय चौकियों की कर रही निगरानी

अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक हलकों में चर्चाएं 2026 तक बढ़ सकते हैं टकराव के हालात

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर हालात एक बार फिर तनावपूर्ण नजर आ रहे हैं। नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर पाकिस्तान की गतिविधियों में अचानक तेजी आई है, जिसे खुफिया एजेंसियां गंभीर संकेत मान रही हैं। सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तानी सेना सीमा के उस पार नए रक्षात्मक ढांचे खड़े कर रही है और भारतीय चौकियों की

आक्रामक निगरानी शुरू कर दी गई है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं कि आने वाले सालों में खासकर 2026 तक हालात टकराव की ओर बढ़ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खुफिया इनपुट्स से पता चला है कि पाकिस्तान अपनी पुरानी चौकियों को अपग्रेड करने के साथ-साथ नए बंकर और फॉरवर्ड मोर्चे तैयार कर रहा है। इन इलाकों में अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती की गई है और भारी मात्रा में हथियार जमा किए जा रहे हैं। सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम भारत की संभावित जवाबी कार्रवाई के डर और ऑपरेशन सिंदूर के बाद बने दबाव का नतीजा है। पाकिस्तान अपनी कमजोरियों को ढकने और एलओसी पर दबाव बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली है कि पाकिस्तान ने अपने विशेष बलों, खासकर एसएसजी कमांडो को संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों में तैनात किया है। यह तैनाती उसकी फॉरवर्ड डिप्लॉयमेंट रणनीति में स्पष्ट बढ़ोतरी को दशार्ती है। इसके साथ ही पाकिस्तानी सैनिक वर्दी के अलावा सादे कपड़ों में नागरिकों के बीच मिलकर भारतीय चौकियों की रेकी कर रहे हैं। इस तरह की निगरानी का मकसद भारतीय सेना के गश्ती रास्तों, रक्षात्मक मोर्चों और सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत मैपिंग करना बताया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक ड्रोन गतिविधियों में भी लगातार इजाफा हो रहा है। हाल ही में रविवार देर शाम सीमा के पाकिस्तानी हिस्से से कई ड्रोन उड़ते नजर आए, जिन पर भारतीय सेना ने तुरंत कार्रवाई की।

संक्षिप्त खबरें

ईंट से भरा ट्रक गड्ढे में फंसकर पलटा, दो घायल

इंदिरापुरम, यूटर्न/ 12 जनवरी। थानाक्षेत्र के न्यायखंड एक में 11 जनवरी को ईंट से भरा ट्रक पलट गया। हादसे में वहां मौजूद झुग्गी-झोपड़ी निवासी राहुल और सुमना ईंटों के नीचे दबकर घायल हो गए। गनीमत रही कि ज्यादा चोट नहीं आई। स्थानीय लोगों ने दोनों को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा। पुलिस ने जेसीबी की मदद से ट्रक को हटाकर मलबा साफ कराया। दस्तावेज न होने की वजह से ट्रक को सीज कर दिया गया है। रविवार को ईंटो से भरा एक ट्रक न्यायखंड एक में निर्माण स्थल पर जा रहा था। सोसायटी गेट पर मुड़ते समय सड़क पर बने गड्ढे में उसका पिछला पहिया धंस गया। नियंत्रण के बाद भी ट्रक डिवाइडर की तरफ पलट गया। इस दौरान वहां धूप में खड़े राहुल और सुमना को भागने का मौका ही नहीं मिला। दोनों ईंटों के नीचे दबकर चोटिल हो गए। उनके साथ खड़े तीन अन्य लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। दोनों के दबते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने ईंटे हटाकर दोनों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तुरंत जेसीबी व क्रेन बुलाकर ट्रक को सीधा करवाया और घायलों को अस्पताल भेजा। लोगों का आरोप है कि कुछ दिन पहले किसी निर्माण कार्य के चलते गड्ढा खोदा गया था। ठीक तरह से मरम्मत करने की जगह ठेकेदार ने मिट्टी डालकर पाट दिया। उसमें पानी भी भरा हुआ था। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि ट्रक चालक के पास किसी भी तरह के दस्तावेज नहीं थे। ट्रक को सीज कर दिया गया है। इसके अलावा घायलों या अन्य स्थानीय व्यक्ति की तरफ से कोई तहरीर मिलती है तब आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किराया मांगने के विवाद में चालक ने चढ़ा दी स्कॉर्पियो

गाजियाबाद, यूटर्न/ 12 जनवरी। कविनगर क्षेत्र में बरात लेकर आए चालक ने किराये के विवाद में युवकों पर स्कॉर्पियो चढ़ा दी। इस मामले में स्कॉर्पियो चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दिल्ली के न्यू मुस्तफाबाद के साहिल ने बताया कि गाजियाबाद के पांडवनगर स्थित सोना गार्डन में बरात आई थी। बरात में आने के लिए उन्होंने दिल्ली की ट्रेवल्स कंपनी से स्कॉर्पियो बुक की। कुल सात हजार रुपये किराये के मांगे गए थे। इसमें से छह हजार रुपये पहले ही दे दिए गए। शेष एक हजार दिल्ली वापस लौटने पर देने की बात तय हुई। लौटने के दौरान सड़क के किनारे खड़े होकर चलने की तैयारी कर रहे थे। उसी समय स्कार्पियो चालक ने 1000 रुपये मांगना शुरू कर दिया। दिल्ली पहुंचकर देने की बात पर आरोपी बिफर गया।

भीख नहीं , किताब दो– एडवोकेट श्वेता शर्मा

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 12 जनवरी । हिसार एन.जी.ओ. भीख नही , किताब दो की सदस्य एडवोकेट श्वेता शर्मा ने कहा कि समाज की प्रगति का आधार दया नहीं, अधिकार है। भीख किसी के जीवन को क्षणिक राहत जरूर दे सकती है, लेकिन उसका भविष्य नहीं बदलती। इसके विपरीत शिक्षा वह दीपक है जो अंधेरे को स्थायी रूप से मिटा देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम सड़कों, चौराहों और झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों को भीख देने की बजाय किताबें और शिक्षा के अवसर दें। यही वास्तविक सामाजिक न्याय है और यही संवैधानिक भावना की सच्ची अभिव्यक्ति भी।

हम यह देखकर दुखी होते हैं कि नन्हें हाथ जो कलम और कॉपी थामने चाहिए, वे कटोरे पकड़ने को मजबूर हैं। अक्सर हम संवेदना के नाम पर उन्हें सिक्के थमा देते हैं, और अनजाने में उनकी छोटी उम्र को भीख पर निर्भर रहने की आदत सिखा देते हैं। इससे न केवल उनका बचपन छिनता है, बल्कि बाल श्रम, मानव तस्करी और अपराध के प्रति उनकी संवेदनशीलता भी बढ़ जाती है। यह समस्या केवल गरीबी की नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक सोच की भी है।

भारत का संविधान प्रत्येक बच्चे को शिक्षा का अधिकार देता है। जब हम भीख के बजाय किताब देने

की बात करते हैं, तो दरअसल हम अपने कर्तव्यों और बच्चों के अधिकारों को सही मायने में स्वीकार करते हैं। एक सशिक्षित बच्चा केवल अपना नहीं, समाज और राष्ट्र का भी भविष्य संवारता है। बहुत से लोग यह सोचकर पीछे हट जाते हैं कि वे अकेले क्या बदल लेंगे। पर बदलाव किसी नारे से नहीं, छोटे-छोटे कदमों से शुरू होता है। हम अपने आस-पास ऐसे बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दिलाने में सहयोग कर सकते हैं, पुरानी किताबें दान कर सकते हैं, नजदीकी स्कूल में उनका नामांकन करा सकते हैं और माता-पिता को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक कर सकते हैं। सामाजिक संस्थाएँ, विधिक सेवा प्राधिकरण और स्वयंसेवी संगठन इस दिशा में सक्रिय हैं—जरूरत है कि हम उनसे जुड़ें और बच्चों को सड़कों से स्कूलों तक ले जाने की जिम्मेदारी साझा करें।

भीख देने से हम केवल समस्या को स्थगित करते हैं, समाधान नहीं देते। किताब देने से हम आत्मनिर्भरता, सम्मान और आत्मविश्वास का मार्ग खोलते हैं। शिक्षा किसी की झोली भरने का साधन नहीं, अपनी किस्मत गढ़ने की शक्ति है। इसलिए जब अगली बार कोई बच्चा हाथ फैलाए, तो हम अपने मन से यह आवाज निकालें— ह्लभीख नहीं, किताब दो ह्व यही मानवीयता का सच्चा रूप है, यही राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव है। आज हमें तय करना होगा कि हम दया का संस्कार बढ़ाएंगे या अधिकार और अवसर का वातावरण बनाएंगे। शिक्षा के बिना कोई भी समाज लंबे समय तक समृद्ध नहीं रह सकता। आइए मिलकर संकल्प लें—किसी हाथ में कटोरा नहीं, हर हाथ में किताब हो; भीख नहीं, शिक्षा हो; दया नहीं, सशक्तिकरण हो। यही परिवर्तन की शुरूआत है और यही आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार।

बीस लाख रुपये न मिलनेबीस लाख रुपये न

डॉ गीतू धवन की तीसरी पुस्तक ह्लधरती की कोई उम्मीद आखिरी नहींह्व को विश्व पुस्तक मेले में मिला प्यार

हरियाणा/हिसार(राजेश सलूजा)

राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित विश्व पुस्तक मेले के लेखक कॉर्नर मंच पर आज साहित्य और विचारों का संगम देखने को मिला जहां ह्लधरती की कोई उम्मीद आखिरी नहींह्व नामक पुस्तक का भव्य विमोचन किया गया । यह पुस्तक गुरु जम्भेश्वर साइंस एंड टेक्निकल विश्व विद्यालय, हिसार की हिंदी विभाग की वरिष्ठ प्रोफेसर डॉक्टर गीतू धवन की रचना है। यह डॉ गीतू की तीसरी पुस्तक है। इस पुस्तक विमोचन समारोह में देश की कई प्रतिष्ठित हस्तियों, स्प्रिचुअल गुरु, राजनीतिक व्यक्तियों, उत्कृष्ट लेखकों, कवियों ने शिरकत की। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में जगत गुरु स्वामी संदीपानी जी महाराज, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं राष्ट्रीय सलाहकार कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार एडवोकेट नेहा धवन भी उपस्थित रही। कार्यक्रम के दौरान साहित्य समाज और राष्ट्र निर्माण से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इस पुस्तक की लेखिका हैं गीतू धवन जो इससे पहले भी दो पुस्तकें लिख चुकी हैं ,धरती की कोई उम्मीद आखिरी नहीं,उनकी तीसरी पुस्तक है। पुस्तक में आजादी से पहले के दौर से लेकर वर्तमान समय तक की ऐतिहासिक और सामाजिक घटनाओं का उल्लेख किया गया है लेखिका ने अपने लेखन के माध्यम से समाज को एक सकारात्मक दिशा देने की कोशिश की है खास बात

8 साल बाद मिली यूपी के ग्राम प्रधानों को वेतन की मांग में सफलता : एस के सिंह

» सुनील बाजपेई

कानपुर, यूटर्न/ 12 जनवरी । देश में प्रजातंत्र का आधार इकाई ग्राम पंचायत में विकास का माध्यम और वोटरों पर मजबत पकड़ के चलते किसी दल की सरकार बनवाने में सक्षम ग्राम प्रधानों के दिन अब बहुरने वाले है। उन्हें अब बहुत जल्द 35000 प्रतिमाह मिला करेगा। ग्राम प्रधानों के हित में इस सफलता का श्रेय भारतीय प्रधान संगठन को जाता है ,जो कि एक लंबे अरसे से ग्राम प्रधानों को पेंशन देने की मांग को लेकर लगातार संघर्षरत था। पेंशन पर तो बात नहीं बनी लेकिन मासिक वेतन पर बात बन गई है। उसके बाद ग्राम प्रधानों को वेतन देने से संबंधित कार्रवाई को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

भारतीय प्रधान संगठन और क्षत्रिय जागरण मंच के भी प्रदेश अध्यक्ष एस के सिंह ने यह जानकारी देते हुए यहां बताया कि देश के विकास उन्नति और प्रगति का मुख्य मार्ग किसानों और ग्राम प्रधानों के बीच से ही होकर जाता है। साथ ही वह वोटरों पर मजबूत पड़कर चलते किसी भी दल की सरकार को न केवल केंद्र में बल्कि किसी भी प्रदेश में बनवाने में भी सक्षम होते हैं। लेकिन कर्तव्य निर्माण के दौरान ग्राम प्रधानों को विभिन्न समस्याओं से भी गुजरना पड़ता हैं। इसीलिए भारतीय प्रधान संगठन और क्षत्रिय जागरण मंच की ओर से ग्राम प्रधानों को सबसे पहले पेंशन देने की मांग उठाई गई थी, जिसके लिए कई बार केंद्रीय मंत्रियों से भी मुलाकात करके उन्हें ज्ञापन भी दिया गया था। याद रहे कि भारतीय प्रधान संगठन ने ग्राम प्रधानों को वेतन दिलवाने से संबंधित मांगों को पूरा किए जाने की पूर्ण आशा के साथ भारतीय जनता पार्टी का साथ तन मन धन से बीते लोक सभा और विधान सभा चुनाव में भी दिया था। लेकिन इसके बाद भी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष एसके सिंह शांत नहीं बैठे थे और वह अपनी अगुवाई में प्रतिनिधि मंडल लेकर तत्कालीन पंचायती राज्य मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला के पास जा पहुंचे थे। यह बात 16 फरवरी 2018 की है। उस दिन पंचायती राज मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला से प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात भी हुई थी ,जिसपर उन्होंने प्रधान संगठन की सभी मांगों को पूरा करने का भरोसा भी दिया था। अध्यक्ष एसके सिंह ने बताया कि प्रधानों की मांगों के संदर्भ में भारतीय प्रधान संगठन का परिश्रम अब रंग लाया है ,जिसके फल स्वरुप ही सरकार ने उन्हें 35000 रुपए प्रतिमाह देने की मांग स्वीकार कर ली है ,जिसको लेकर उत्तर प्रदेश की सभी ग्राम प्रधानों में खुशी की लहर है।

विकसित भारत युवा नेता संवाद कार्यक्रम में युवाओं की मौजदूगी उत्साह बढ़ाने वाली : हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी। मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने विकसित भारत युवा नेता संवाद कार्यक्रम की योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य लोगों को धन्यवाद देकर जोर दिया कि विकसित भारत केवल 2047 तक हासिल करने वाला लक्ष्य नहीं है, बल्कि एक प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने युवा प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों की गुणवत्ता की भी सराहना की। केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि इससे यह बात और भी पुख्ता होती है कि विकसित भारत केवल 2047 तक का लक्ष्य नहीं है, बल्कि ऐसी प्रक्रिया का हिस्सा है जिसमें वे भाग ले रहे हैं। संवाद के दौरान पूछे गए प्रश्न भी बहुत उच्च गुणवत्ता के थे। आप सतत विकास के लिए क्या कर रहे हैं? आप हरित परिवर्तन के लिए क्या कर रहे हैं? क्या आप स्वच्छ हवा और स्वच्छ नदी जल के बारे में चिंतित हैं? ये बहुत ही सकारात्मक संकेत हैं। उन्होंने कहा कि यह तथ्य कि ये युवा यहाँ आकर देश के विभिन्न हिस्सों के छात्रों से संपर्क स्थापित कर सकते हैं, एक बेहतरीन सीखने का अनुभव है। मैं प्रधानमंत्री मोदी और इस कार्यक्रम को तैयार करने में शामिल सभी लोगों को बधाई और धन्यवाद देना चाहता हूँ। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित विकसित भारत युवा नेता संवाद 2026 का तीसरा दिन भारत मंडपम में बड़े उत्साह और उमंग के साथ शुरू हुआ।

मोदीनगर में घर में खड़ी बाइक का गाजियाबाद में चालान

मोदीनगर, यूटर्न/ 12 जनवरी। यातायात पुलिस ने मोदीनगर के राधा एन्क्लेव स्थित एक घर में खड़ी बाइक का हेलमेट न लगाने के आरोप में चालान काट दिया। मोबाइल फोन पर चालान का संदेश मिलने पर वाहन स्वामी को मामले की जानकारी हुई। पीड़ित ने इस संबंध में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से शिकायत की है। राधा एन्क्लेव निवासी अमन कौशिक स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं। वर्तमान में उनकी तैनाती मेरठ में है। अमन ने बताया कि वह रोजाना कार से मेरठ आते-जाते हैं। उनकी बाइक घर में ही खड़ी रहती है। इसके बावजूद दो दिन पहले उन्हें घर से लगभग 35 किमी दूर गाजियाबाद में बाइक का चालान कटने का संदेश मिला।

संदेश के अनुसार, हेलमेट न पहनने के आरोप में एक हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। अमन का कहना है कि जिस समय चालान दिखाया गया है, उस समय बाइक घर में खड़ी थी। उन्होंने डीजीपी को ई-मेल भेजकर मामले की शिकायत कर मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर गलत चालान को निरस्त किया जाए।

वाहनों का दबाव बढ़ने से दिल्ली-मेरठ मार्ग पर लगा जाम

मोदीनगर, यूटर्न/ 12 जनवरी। दिल्ली-मेरठ पर वाहनों का दबाव बढ़ने के कारण रविवार को भीषण जाम लग गया। जाम में हजारों वाहनों के पहिये ठहर गए। जाम के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मिनटों का सफर तय करने के लिए घंटों का समय गंवाना पड़ा। हापुड़ मार्ग स्थित रेलवे क्रासिंग पर आरओबी निर्माण कार्य चल रहा है। इसके कारण वहां आए दिन यातायात बाधित रहता है। कुछ ही देर में वाहनों की कतार दिल्ली-मेरठ मार्ग तक पहुंच जाती है। इससे मुख्य मार्ग पर भी जाम लग जाता है। रविवार को मुख्य मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ा तो भीषण जाम लग गया। वाहनों की कतार राज चौपले से लेकर कपड़ा मिल तक पहुंच गई। अंबर सिनेमा कट पर यू-टर्न के लिए जगह नहीं मिलने के कारण मेरठ जाने वाली साइड में भी जाम लग गया। दोनों तरफ घंटो तक वाहन रेंगते रहे।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल सरकार को सत्ता से हटाना जरूरी , भाजपा करेगी लोकतंत्र बहाल : गिरिराज सिंह

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की लड़ाई कोई सामान्य चुनावी मुकाबला नहीं, बल्कि आतंकवाद और लोकतंत्र के बीच संघर्ष है।

उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार को सत्ता से हटाना जरूरी है और भाजपा ही राज्य में लोकतंत्र को बहाल करेगी।

पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति पर बोलते हुए गिरिराज सिंह ने कहा, ह्लपश्चिम बंगाल में भाजपा आतंकवाद और लोकतंत्र के बीच लड़ाई लड़ रही है। इस बार ममता बनर्जी की सरकार, जिस पर आतंकियों का समर्थन करने, तुष्टिकरण की राजनीति करने और बांग्लादेशी घुसपैठ को बढ़ावा देने के आरोप हैं, उसे सत्ता से हटाया जाएगा। उनके इस बयान को आगामी चुनावों से पहले भाजपा के आक्रामक रुख के रूप में देखा जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किया गया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार के कारण लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान पहुंचा है और भाजपा ही एकमात्र विकल्प है जो बंगाल में व्यवस्था और लोकतंत्र को मजबूत कर सकती है। इसी बीच, भाजपा विधायक पवन कुमार सिंह ने भी राज्य की राजनीतिक स्थिति को लेकर सत्तारूढ़ पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में लगातार राजनीति गरमाई हुई है और भ्रष्टाचार के मामलों में बार-बार सत्तारूढ़ दल का नाम सामने आ रहा है।

पवन कुमार सिंह ने कहा, अगर जनता खुश होती तो खुलकर अपनी बात रखती, लेकिन जनता की चुप्पी यह दिखाती है कि वे सरकार के खिलाफ हैं। उन्होंने आगे कहा कि मतदाता पूरी तरह से राजनीतिक रूप से जागरूक हैं और चुनाव से पहले अपना मन बना रहे हैं।

चुनाव को लेकर लोग सब कुछ समझ रहे हैं और अपनी राय बना चुके हैं। मुझे लगता है कि इस बार बदलाव की पूरी संभावना है। इसी दौरान, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों ने कोयला तस्करी से जुड़े एक मामले में छापेमारी और सबूत जब्त करने से एजेंसी के अधिकारियों को रोका। यह मामला राजनीतिक रणनीति बनाने वाली कंपनी आई-पैक से जुड़ा बताया जा रहा है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

संक्षिप्त खबरें

हक के लिए एकजुट हों किसान: टिकैत

गाजियाबाद, यूटर्न/ 12 जनवरी। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि अपना हक लेने के लिए किसानों को आंदोलन करना पड़ेगा। यह तभी संभव है, जब किसान एकजुट होगा। किसान की सहमति के बिना किसी में ताकत नहीं कि वह उनकी जमीन को उनसे ले ले। उन्होंने कहा कि किसान को इसलिए कमजोर समझा जा रहा है क्योंकि उसने आंदोलन करना छोड़ दिया। आरोप लगाया कि बिल्डरों के लिए प्रशासन किसानों की जमीन हड़पने का काम कर रहा है। किसानों की तरफदारी कोई नहीं करता। एक महीने का समय अधिकारियों के पास है। यदि उनकी मांग पूरी नहीं होती तो किसान अपने खेतों की जुताई करें। किसानों के बीच जीडीए, प्रशासन और पुलिस अधिकारी पहुंचे। इस मौके पर टीकम नागर, सतीश त्यागी, मोहित त्यागी, अनुज चौधरी, गुड्डू, भूरा नागर, प्रमोद डबास, गजेंद्र फौजी, आनंद चौधरी, आदि लोग मौजूद रहे। जीडीए सचिव विवेक कुमार मिश्र ने बताया कि किसानों से लगातार जीडीए की वार्ता चल रही है। जो मांगे हैं, उन पर मंथन चल रहा है। समस्याओं का समाधान कराने का प्रयास चल रहा है।

बाइक की टक्कर से सुरक्षा गार्ड घायल, हड्डी टूटी

लोनी, यूटर्न/ 12 जनवरी। थानाक्षेत्र की गीतांजलि विहार कॉलोनी निवासी बाल किशन शर्मा तेज रफ्तार बाइक चपेट में आने से घायल हो गया। हादसे में उनके पैर की हड्डी टूट गई। हादसा शुक्रवार को तब हुआ जब वह दिल्ली स्थित मॉल से ड्यूटी करके साइकिल से घर लौट रहे थे। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। दर्ज मामले में पीड़ित ने बताया कि वह दिल्ली आनंद विहार स्थित आदित्य मॉल में सुरक्षाकर्मी हैं। शुक्रवार शाम वह ड्यूटी करके घर आ रहे थे। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में दिल्ली सहारनपुर रोड स्थित शिव विहार मेट्रो स्टेशन के पास पीछे से तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में उनके दायें कूल्हे की हड्डी टूट गई। राहगीरों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। यहां से उन्हें जीटीबी रेफर कर दिया गया।

मुनाफे के लालच में बुजुर्ग और महिला ने गंवा दिए 26.57 लाख

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 12 जनवरी।**

मोटे मुनाफे के चक्कर में नंदग्राम की महिला और वैशाली के बुजुर्ग ने 26.57 लाख रुपये गंवा दिए। इस मामले में दोनों ने साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस आरोपियों के खाते में जमा रकम को फ्रीज कराने की कार्रवाई कर रही है।

वैशाली के मनोज कुमार ने बताया कि वह सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। शेयर बाजार में उनकी पहले से रुचि है। उन्होंने कई कंपनियों में पहले भी निवेश किया है। हाल ही में उन्होंने आईसीआईसीआई बैंक में डीमैट अकाउंट खुलवाया हुआ था। इसी बीच उनके पास किसी अज्ञात नंबर से मैसेज आया। उनको कई ग्रुपों में जोड़ दिया। उन्होंने

इसको असली समझा।

ग्रुपों में चल रही वार्ता पर भरोसा करके उन्होंने 14 नवंबर 2025 से तीन दिसंबर 2025 के बीच अलग-अलग खातों में 9.20 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। जो एप उनको डाउनलोड कराया गया, उसमें रकम बढ़ी हुई भी दिख रही थी, लेकिन चाहने पर भी वह उसको नहीं निकाल पा रहे थे। आरोपी उनसे और पैसा भेजने को कह रहे थे, लेकिन तब तक वह ठगी को भांप चुके थे। इसके बाद आरोपियों ने उनसे संपर्क तोड़ दिया।

टास्क पूरा करने के चक्कर में गंवा दिए 17.37 लाख : स्टार रामेश्वरम सोसायटी में टास्क पूरा करके कमाई होने का लालच देकर महिला को शातिरों ने 17.37 लाख की चपत लगा दी। सोसायटी निवासी प्रीति शर्मा ने बताया कि 24 दिसंबर 2025 को उनके वाट्सएप नंबर पर एक अज्ञात नंबर से मैसेज आया। मैसेज भेजने वाले ने दावा किया कि वह ऑनलाइन टास्क पूरा करने पर कमाई कराते हैं। शुरूआत में उनसे तीन हजार रुपये ट्रांसफर कराए। इसके बदले उनको एक हजार का मुनाफा भेजा।

इसके बाद उनको विश्वास बढ़ गया। इसके बाद शातिरों ने अलग-अलग टेलीग्राम आईडी, वेबसाइट लिंक और व्हाट्सएप ग्रुप के जरिये से टास्क दिए। उनसे अलग-अलग तारीखों में 17.37 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। खास बात यह रही कि आरोपी उनको भरोसा देते रहे। जो लोग ग्रुपों में जुड़े हुए थे, वह अपने-अपने फायदे के बारे में बता रहे थे।

आरोपी उनसे और पैसे की मांग कर रहे थे, लेकिन पैसे का इंतजाम नहीं होने से उनको मना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने संपर्क तोड़ दिया। इस बारे में डीसीपी क्राइम पीयूष सिंह ने बताया कि दोनों खातों में जमा रकम को फ्रीज कराने की कार्रवाई शुरू करा दी गई है।

नॉन-वेज खाने पर एनएचआरसी सख्त, रेलवे-एफएसएसएआई और पर्यटन मंत्रालय से मांगी नई एटीआर

नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी। भारतीय रेल में परोसे जाने वाले नॉन-वेज भोजन को लेकर उठे विवाद पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सख्त रुख अपनाया है। आयोग ने रेलवे बोर्ड, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) और पर्यटन मंत्रालय से दोबारा विस्तृत एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) की मांग की है। यह मामला 21 नवंबर 2025 को दर्ज कराई गई एक शिकायत से जुड़ा है, जिस पर आयोग ने 5 जनवरी 2026 को सुनवाई की। शिकायतकर्ता का आरोप है कि भारतीय रेल और आईआरसीटीसी द्वारा केवल हलाल तरीके से तैयार किया गया मांस परोसा जा रहा है। इससे न केवल यात्रियों की खाने की पसंद और धार्मिक स्वतंत्रता प्रभावित होती है, बल्कि यह हिंदू अनुसूचित जाति (एससी) समुदायों के उन लोगों के रोजगार और आजीविका पर भी असर डालता है, जो पारंपरिक रूप से मांस व्यापार से जुड़े रहे हैं। शिकायत में कहा गया है कि इस व्यवस्था से हिंदू और सिख यात्रियों को उनकी धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप भोजन का विकल्प नहीं मिलता, जो संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 19(1)(जी), 21 और 25 का उल्लंघन है। 24 नवंबर को आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता में एनएचआरसी ने इस मामले में संज्ञान लिया था और रेलवे बोर्ड को दो हफ्ते में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया था। इसके बाद आईआरसीटीसी ने 10 दिसंबर को रिपोर्ट सौंपते हुए कहा कि उसके पास कोई ऐसी नीति नहीं है, जिसमें हलाल प्रमाणन अनिवार्य हो और वह केवल एफएसएसएआई के मानकों का पालन करता है। हालांकि, एनएचआरसी ने इस रिपोर्ट को अधूरी और पारदर्शिता से रहित बताया। आयोग ने कहा कि यात्रियों को यह जानने का पूरा अधिकार है कि वे जो नॉन-वेज भोजन खा रहे हैं, वह हलाल है या झटका। यदि केवल हलाल मांस परोसा जाता है, तो इससे गैर-मुस्लिम समुदायों के रोजगार अवसर सीमित हो सकते हैं। आयोग ने सिख रीहत मयार्दा का उल्लेख करते हुए कहा कि बपतिस्मा प्राप्त सिखों के लिए मुस्लिम तरीके से काटे गए जानवर का मांस खाना वर्जित है। ऐसे में जानकारी का खुलासा जरूरी है।

बैंककर्मी के घर से 20 लाख की चोरी

» **साहिबाबाद, यूटर्न/ 12 जनवरी।**

थानाक्षेत्र के श्यामपार्क स्थित गली नंबर चार निवासी बैंक कर्मी विनीत कुमार के फ्लैट का ताला तोड़कर चोरों ने करीब 20 लाख रुपये के गहने और नगदी चोरी कर लिए। पड़ोस के फ्लैट में पीड़ित परिवार सो रहा था। चोरों ने उसे बाहर से बंद कर दिया। वारदात 10 जनवरी की देर रात हुई और 11 जनवरी की सुबह परिवार को चोरी का पता चला।

विनीत कुमार नोएडा स्थित निजी बैंक में कार्यरत हैं। बिल्डिंग में उनके दो फ्लैट पास-पास हैं। एक फ्लैट में वह पत्नी व बच्चों के साथ रहते हैं। दूसरे फ्लैट में उनके माता-पिता और भाई रहते हैं। उनकी पत्नी मायके गई थीं। इसके चलते वह माता-पिता के साथ ही रह रहे थे। शुक्रवार रात चोरों ने माता-पिता के फ्लैट का

दरवाजा बाहर से बंद कर दिया।

इसके बाद उनके फ्लैट का ताला तोड़कर अंदर दाखिल हुए। चोरों ने पूरा घर खंगाल डाला। अलमारियों व लॉकर के ताले काटकर फेंक दिए और वहां रखी 15 हजार रुपये की नगदी और लगभग 15-20 लाख रुपये के गहने चोरी कर भाग गए।

ग्रेटर नोएडा में दो कारों में टक्कर, दो सगे भाइयों की मौत, नशे में धुत डॉक्टर गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा, यूटर्न/ 12 जनवरी। ग्रेटर नोएडा के जीरो प्वाइंट इलाके में रविवार देर रात हाईवे पर खड़ी एक कार को पीछे से तेज रफ्तार होंडा सिटी कार ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दो सगे भाइयों की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। ग्राम कुंडली बांगर, थाना नॉलेज पार्क के निवासी गौरव और मनोज की बोलेरो गाड़ी में जीरो प्वाइंट के पास डीजल खत्म हो गया। दोनों सगे भाई सड़क किनारे खड़ी गाड़ी में डीजल डाल रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही

एक होंडा सिटी कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना

ठंड का कहर, निमोनिया से ढाई साल की बच्ची की मौत

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 12 जनवरी।**

जनपद में लगातार गिरते तापमान व शीतलहर का असर अब स्वास्थ्य पर गंभीर रूप से दिखाई देने लगा है। ठंड के कारण निमोनिया और श्वसन संबंधी बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं। इस सबके बीच विजयनगर क्षेत्र में निमोनिया से ढाई साल की बच्ची की मौत हो गई है। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग भी सतर्क हो गया है।

विजयनगर चांदमारी निवासी आफताब रविवार दोपहर ढाई साल की बेटी समायरा को लेकर एमएमजी अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचे थे। बच्ची को कई दिनों से खांसी, जुकाम व सांस लेने में परेशानी थी। डॉक्टरों ने जांच के बाद बच्ची को मृत घोषित कर दिया।

बच्ची के नाना रियाज ने बताया कि समायरा को पहले से निमोनिया की शिकायत थी। उसका इलाज भी चल रहा था। तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उसे अस्पताल लाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। एमएमजी अस्पताल के सीएमएस डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि बच्ची को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था।

ओपीडी में 60 प्रतिशत मामले श्वसन संक्रमण के

सीएमएस के अनुसार, ठंड के मौसम में बच्चों और बुजुर्गों में निमोनिया का खतरा अधिक रहता है। समय पर इलाज न मिले तो यह जानलेवा भी हो सकता है। उन्होंने बताया कि अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन बड़ी संख्या में खांसी, जुकाम, बुखार और सांस की परेशानी के मरीज पहुंच रहे हैं। बीते कुछ दिनों से ओपीडी में आने वाले कुल मरीजों में लगभग 60 प्रतिशत श्वसन संक्रमण से संबंधित हैं।

बच्चों में निमोनिया और बुजुर्गों में सांस की पुरानी बीमारियां ज्यादा देखने को मिल रही हैं। अस्पताल में ऐसे मरीजों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। जरूरत पड़ने पर भर्ती कर इलाज किया जा रहा है।

ठंड से बचने की सलाह

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विपिन उपाध्याय ने निमोनिया से बचाव के लिए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। बच्चों को ठंड से बचाने, गर्म कपड़े पहनाने और खांसी या सांस की समस्या होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह दी गई है। बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को भी ठंड में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। स्वास्थ्य विभाग ने अपील की है कि लक्षण दिखने पर घरेलू इलाज में देरी न करें और समय रहते अस्पताल पहुंचें।

मानसिक स्वास्थ्य बढ़ा रहा है चिंता, मोटापा ही नहीं... दुबलापन भी युवाओं को कर रहा बेचैन

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी।**

देश के युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर समस्या सामने आ रही है। अब तनाव और आत्मविश्वास की कमी सिर्फ मोटापे से जूझ रहे युवाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि दुबले-पतले दिखने वाले युवा भी अपने शरीर को लेकर असंतोष महसूस कर रहे हैं। शरीर की बनावट को लेकर तुलना, ताने और समाज की अपेक्षाएं युवाओं के मन पर नकारात्मक असर डाल रही हैं। जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड हेल्थ प्रमोशन में प्रकाशित शोध में इसे बॉडी इमेज डिस्ट्रेस कहा जा रहा है, जो धीरे-धीरे युवाओं के आत्मविश्वास को कमजोर कर रहा है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के संयुक्त अध्ययन में इस समस्या को आंकड़ों के साथ सामने रखा गया है। अध्ययन में एम्स

की ओपीडी से जुड़े 18 से 30 आयु वर्ग के 1,071 युवाओं को शामिल किया गया। अध्ययन के अनुसार, 49 प्रतिशत मोटापे से ग्रस्त और 47 प्रतिशत कम वजन वाले युवा मध्यम से गंभीर स्तर की बॉडी इमेज समस्या से गुजर रहे हैं। वहीं सामान्य या थोड़ा अधिक वजन वाले युवाओं में यह समस्या अपेक्षाकृत कम, करीब 36 प्रतिशत पाई गई। इससे यह साफ हो गया है कि यह समस्या सिर्फ मोटापे तक सीमित नहीं है। हर तीसरा युवा खुद को आत्मविश्वास की कमी से जूझता मानता है और हर चौथा युवा यह महसूस करता है कि उसे उसके शरीर के कारण जज किया जाता है।

मारुति सुजुकी ने गुजरात में मैन्युफैक्चरिंग क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 5 हजार करोड़ रुपए के जमीन सौदे को मंजूरी दी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी।**

मारुति सुजुकी ने सोमवार को ऐलान किया कि उसके बोर्ड ने गुजरात में मैन्युफैक्चरिंग क्षमता बढ़ाने के लिए 4,960 करोड़ रुपए के जमीन सौदे को मंजूरी दे दी है।

मारुति सुजुकी इंडिया ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि यह भूमि अधिग्रहण गुजरात औद्योगिक विकास निगम से खोराज औद्योगिक एस्टेट में उत्पादन क्षमता के विस्तार के लिए किया गया है और यहां करीब 10 लाख गाड़ियों के उत्पादन क्षमता का विस्तार किया जाना है। इसमें कहा गया कि बोर्ड द्वारा भूमि अधिग्रहण, विकास और प्रारंभिक गतिविधियों की लागत के लिए 4,960 करोड़ रुपए मंजूर किए गए है और साथ ही कहा गया है कि क्षमता स्थापना के चरणों को निर्धारित करते समय बोर्ड द्वारा कुल निवेश को अंतिम रूप दिया जाएगा और अनुमोदित किया जाएगा।

कंपनी ने फाइलिंग में कहा, गुरुग्राम, मानेसर, खरखौदा और हंसलपुर में कुल मौजूदा उत्पादन क्षमता लगभग 24 लाख यूनिट प्रति वर्ष है, जिसे 26 लाख यूनिट प्रति वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। इसमें पूर्व सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड द्वारा उत्पादित इकाइयां भी शामिल हैं, जिसका कंपनी में विलय कर दिया गया है।

कंपनी ने आगे कहा कि इस राशि की फंडिंग आंतरिक गतिविधियों और बाहरी कर्ज से की जाएगी।

कंपनी ने फाइलिंग में कहा, गुरुग्राम, मानेसर, खरखौदा और हंसलपुर में कुल मौजूदा उत्पादन क्षमता लगभग 24 लाख यूनिट प्रति वर्ष है, जिसे 26 लाख यूनिट प्रति वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। इसमें पूर्व सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड द्वारा उत्पादित इकाइयां भी शामिल हैं, जिसका कंपनी में विलय कर दिया गया है। वाहन निर्माता कंपनी ने बताया कि मौजूदा क्षमता का पूरा इस्तेमाल किया जा रहा है। कार निर्माता कंपनी ने 2025 में 22.55 लाख से ज्यादा गाड़ियां बनाईं - जो किसी कैलेंडर वर्ष में उसका अब तक का सबसे अधिक उत्पादन है। यह लगातार दूसरा साल है जब मारुति सुजुकी इंडिया ने सालाना उत्पादन में 20 लाख यूनिट्स का आंकड़ा पार किया है। इस प्रोडक्शन में घरेलू बिक्री, निर्यात ओईएम सप्लाई के लिए गाड़ियां शामिल हैं। मारुति सुजुकी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, हिसाशी ताकेउची ने कहा कि ज्यादा स्थानीय उत्पादन से कंपनी को इतना बड़ा स्केल हासिल करने में मदद मिली, साथ ही भारत के ऑटोमोटिव मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम की ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस भी बनी रही।

मारुति सुजुकी इंडिया ने 2025 में 3.95 लाख गाड़ियां निर्यात की हैं, जो किसी भी कैलेंडर वर्ष में अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। यह 2024 के निर्यात के मुकाबले 21 प्रतिशत अधिक है। पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में घरेलू बाजार में 40 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी वाली यह कंपनी बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने और इंटरनेशनल मार्केट में सप्लाई करने के लिए अपनी मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी को बढ़ाकर सालाना 4 मिलियन यूनिट करने की योजना बना रही है।

हुंडई ने किया नई ऑन-डिवाइस एआई चिप का उत्पादन शुरू

» **सोल, यूटर्न/ 12 जनवरी।**

रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करते हुए हुंडई मोटर ग्रुप ने अपनी नई ऑन-डिवाइस एआई चिप का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू किया है। यह चिप रोबोटों को बिना इंटरनेट, क्लाउड या किसी बाहरी नेटवर्क पर निर्भर हुए स्वायत्त रूप से काम करने में सक्षम बनाती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस चिप को एज ब्रेन नाम दिया गया है, जिसका आधिकारिक अनावरण लास वेगास में आयोजित सीईएस 2026 में किया गया। यह चिप हुंडई मोटर के रोबोटिक्स लैब और दक्षिण कोरिया की एआई चिप निर्माता कंपनी डीपएक्स के बीच तीन वर्षों की साझेदारी का परिणाम है। खास बात यह है कि यह चिप पांच वॉट से भी कम बिजली की खपत करती है, लेकिन इसके बावजूद यह रियल-टाइम डेटा प्रोसेसिंग और तुरंत निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। कंपनी का कहना है कि एज ब्रेन चिप रोबोटों को आसपास के माहौल को तुरंत समझने

और उसी के आधार पर फैसले लेने में मदद करती है। चूंकि इसमें क्लाउड कनेक्टिविटी की जरूरत नहीं होती, इसलिए नेटवर्क में देरी या साइबर सुरक्षा से जुड़े जोखिम काफी हद तक कम हो जाते हैं। हुंडई पहले ही इस तकनीक का इस्तेमाल अपनी कई रोबोटिक्स परियोजनाओं में कर रही है। इनमें फेसी नाम की फेस रिकग्निशन प्रणाली और एक स्वचालित डिलीवरी रोबोट शामिल है, जो फिलहाल प्रदर्शन और परीक्षण चरण में है। आने वाले समय में इस एआई चिप का इस्तेमाल एआई आधारित सुरक्षा समाधानों और अगली पीढ़ी के मोबाइल रोबोटों में किए जाने की योजना है।

संक्षिप्त खबरें

अमेरिका में फेडरल रिजर्व चेयरमैन पॉवेल पर आपराधिक जांच शुरू

पॉवेल ने कहा कि फेड की मौद्रिक नीति की स्वतंत्रता से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जैरोम पॉवेल पर फेड की मौद्रिक नीति को लेकर आपराधिक जांच शुरू हुई है। पॉवेल ने खुद पुष्टि की कि यह जांच राष्ट्रपति ट्रंप की प्राथमिकताओं के बजाय जनता के हित में ब्याज दर तय करने के कारण की जा रही है। पिछले शुक्रवार को न्याय विभाग ने फेड को ग्रैंड जूरी समन भेजा। जांच का संचालन वाशिंगटन डी.सी. के अमेरिकी अभियोजक कार्यालय के तहत हो रहा है, जिसकी जिम्मेदारी जीनाइन पिरो संभालती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार जांच पॉवेल की सीनेट गवाही और फेड की इमारत नवीनीकरण परियोजना से संबंधित हो सकती है। पॉवेल ने कहा कि उन्होंने चार अलग-अलग प्रशासनों में सेवा दी है और हमेशा राजनीतिक दबाव से स्वतंत्र रहे हैं। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाया कि वे आर्थिक आंकड़ों और परिस्थितियों के आधार पर नीति बनाना जारी रखेंगे। यह मामला फेड की स्वतंत्रता और राजनीतिक हस्तक्षेप के बीच संविधानिक एवं आर्थिक महत्व को उजागर करता है।

जीवन बीमा उद्योग में दिसंबर में रिकॉर्ड वृद्धि, एनबीपी 40 फीसदी उछला

नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी। जीवन बीमा उद्योग ने दिसंबर 2025 में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। लाइफ इंश्योरेंस काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार इस महीने नई बिजनेस प्रीमियम (एनबीपी) 39.5 फीसदी सालाना बढ़कर 42,150.8 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष 30,218.71 करोड़ रुपये थी। एलआईसी का दबदबाः सरकारी कंपनी एलआईसी का प्रीमियम 57.45 फीसदी बढ़कर 21,293.9 करोड़ रुपये हो गया। सबसे बड़ा सेगमेंट, ग्रुप सिंगल प्रीमियम बिजनेस, 75.9 फीसदी बढ़कर 14,730.93 करोड़ रुपये पहुंचा। व्यक्तिगत कारोबार में भी 27.4 फीसदी वृद्धि रही। निजी कंपनियों का प्रीमियम सालाना आधार पर 24.93 फीसदी बढ़कर 20,856.9 करोड़ रुपये हो गया। एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी लाइफ, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल और मैक्स लाइफ ने क्रमशः 19.4, 14.55, 25.08 और 24.97 फीसदी की वृद्धि दर्ज की।

सरकार ने स्मार्टफोन कंपनियों से सोर्स कोड शेयर करने की खबर को बताया गलत

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी।**

सरकार ने एक इंटरनेशनल न्यूज ऑर्गेनाइजेशन की उस रिपोर्ट को गलत बताया है, जिसमें कहा गया था कि सरकार स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनियों को अपना सोर्स कोड सरकार के साथ शेयर करने के लिए मजबूर करना चाहती है और इसके लिए कई सॉफ्टवेयर बदलाव करने की योजना बना रही है। इस खबर में यह भी कहा गया था कि एप्पल और सैमसंग जैसी बड़ी कंपनियां इसका विरोध कर रही हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, इन न्यूज रिपोर्ट्स में न तो किसी स्मार्टफोन कंपनी का बयान दिया गया है और न ही उन उद्योग संगठनों का, जो इन कंपनियों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, इन रिपोर्टों ने जानबूझकर उद्योग संगठन की बातों को नजरअंदाज किया है, जिससे साफ लगता है कि खबर को सनसनीखेज बनाने की कोशिश की गई है। सरकार ने कहा कि वह साइबर सुरक्षा को मजबूत करने और नागरिकों की निजी जानकारी की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मोबाइल सुरक्षा से जुड़ा एक मजबूत और सही नियम बनाने के लिए सभी संबंधित पक्षों से बातचीत की जा रही है। ये परामर्श सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा सुरक्षा मानकों पर उद्योग के साथ नियमित और निरंतर संवाद का हिस्सा हैं। मंत्रालय लगातार ऐसे कदम उठा रहा है, जिससे तेजी से बदलते डिजिटल माहौल में यूजर्स की सुरक्षा बनी रहे और उनकी निजी जानकारी सुरक्षित रहे। मंत्रालय ने बताया, हम नियमित रूप से सुरक्षा नियमों, इलेक्ट्रॉनिक हस्तक्षेप और अनुकूलता मानकों, भारतीय भाषाओं के समर्थन, इंटरफेस की जरूरतों और सुरक्षा मानकों जैसे विषयों पर चर्चा करते हैं। इन चचाओं के बाद उद्योग के साथ सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से बात होती है।

मंत्रालय ने कहा कि वह उद्योग से जुड़े लोगों के साथ मिलकर काम कर रहा है और उनकी चिंताओं को सकारात्मक तरीके से सुलझाने की कोशिश कर रहा है।

इसके तहत सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय उद्योग प्रतिनिधियों से बातचीत कर रहा है, ताकि तकनीकी समस्याओं, नियमों के पालन में आने वाली दिक्कतों और दुनिया में अपनाए जा रहे अच्छे तरीकों को समझा जा सके।

मंत्रालय ने यह भी साफ किया कि उद्योग द्वारा उठाई गई सभी सही और जरूरी चिंताओं पर खुले मन से विचार किया जाएगा, ताकि देश और उद्योग दोनों के हित सुरक्षित रहें।

इससे पहले, भारत के स्मार्टफोन निर्माण उद्योग ने भी सोर्स कोड शेयर करने से जुड़ी खबरों पर चिंता को कम करने की कोशिश की थी।

उद्योग का कहना था कि यह मुद्दा काफी समय से चल रही बातचीत का हिस्सा है और इसका मतलब कोई नई या तुरंत लागू होने वाली नीति नहीं है। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने कहा कि सरकार और उद्योग के बीच इस विषय पर कई वर्षों से चर्चा चल रही है और इसे अचानक नीति में बदलाव के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

भारत से 2025 में आईफोन निर्यात 2 लाख करोड़ के पार

निर्यात का आंकड़ा 2024 की तुलना में करीब 85 प्रतिशत अधिक

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी।**

भारत में 2021 में उत्पादन शुरू करने के बाद 2025 में पहली बार ऐपल के आईफोन का निर्यात 2 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। ठेके पर आईफोन बनाने वाली कंपनियों द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार जनवरी से दिसंबर 2025 के बीच भारत से आईफोन का कुल निर्यात 23 अरब डॉलर यानी लगभग 2.03 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह आंकड़ा 2024 की तुलना में करीब 85 प्रतिशत अधिक है। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लागू होने के बाद से ऐपल का मुख्य फोकस भारत को एक बड़े निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने पर रहा है। इसका असर यह हुआ कि हर साल आईफोन निर्यात में लगातार तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। 2021 में जहां भारत से आईफोन का निर्यात 8,800 करोड़ रुपये था, वहीं 2022 में यह

बढ़कर 36,234 करोड़ रुपये हो गया। 2023 में निर्यात दोगुने से ज्यादा बढ़कर 74,000 करोड़ रुपये पहुंचा, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 1.1 लाख करोड़ रुपये रहा। 2020 में पीएलआई योजना की घोषणा के बाद ऐपल ने अपने दो प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं विस्ट्रॉन और फॉक्सकॉन के साथ भारत में कदम रखा। हालांकि कोरोना महामारी और चीन के साथ सीमा पर तनाव के चलते उत्पादन शुरू होने में देरी हुई और 2021 में भारत में आईफोन निर्माण की शुरूआत हो सकी। प्रारंभिक दौर में उत्पादन मुख्य रूप से निर्यात बाजार को ध्यान में रखकर किया गया।

एथर राइडर्स को मिला 5,000 पब्लिक फास्ट चार्जर्स का एक्सेस

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी।**

एथर राइडर्स को देशभर में 5,000 से अधिक पब्लिक फास्ट चार्जर्स का एक्सेस मिल गया है, जो एलईसीसीएस (लाइट इलेक्ट्रिक कंबाइंड चार्जिंग सिस्टम) कनेक्टर से लैस हैं। यह चार्जिंग नेटवर्क 395 से ज्यादा शहरों में फैला हुआ है। यह जानकारी दी है एथर एनर्जी कंपनी ने। कंपनी का कहना है कि इनमें से 3,675 चार्जर सीधे एथर द्वारा ऑपरेट किए जा रहे हैं, जबकि करीब 1,400 चार्जर पार्टनर नेटवर्क के जरिए उपलब्ध कराए गए हैं। इससे न केवल रोजमर्रा की राइड आसान होगी, बल्कि लंबी दूरी तय करने में भी चार्जिंग की चिंता कम होगी। कंपनी ने बड़े शहरों के साथ-साथ टियर-2 और टियर-3 शहरों और इंटरसिटी रूट्स पर भी चार्जर्स लगाए हैं। बेंगलुरु में अकेले 240 से अधिक

फास्ट चार्जर मौजूद हैं, जबकि पुणे, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद और मुंबई में 100 से ज्यादा चार्जर लगाए गए हैं। राज्यों की बात करें तो कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल और गुजरात में सबसे ज्यादा पब्लिक चार्जिंग पॉइंट्स उपलब्ध हैं।

सरकार ने स्मार्टफोन कंपनियों से सोर्स कोड शेयर करने की खबर को बताया गलत

नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी। सरकार ने एक इंटरनेशनल न्यूज ऑर्गेनाइजेशन की उस रिपोर्ट को गलत बताया है, जिसमें कहा गया था कि सरकार स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनियों को अपना सोर्स कोड सरकार के साथ शेयर करने के लिए मजबूर करना चाहती है और इसके लिए कई सॉफ्टवेयर बदलाव करने की योजना बना रही है। इस खबर में यह भी कहा गया था कि एप्पल और सैमसंग जैसी बड़ी कंपनियां इसका विरोध कर रही हैं। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, इन न्यूज रिपोर्ट्स में न तो किसी स्मार्टफोन कंपनी का बयान दिया गया है और न ही उन उद्योग संगठनों का, जो इन कंपनियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, इन रिपोर्टों ने जानबूझकर उद्योग संगठन की बातों को नजरअंदाज किया है, जिससे साफ लगता है कि खबर को सनसनीखेज बनाने की कोशिश की गई है।

संक्षिप्त खबरें

दूध विक्रेता को कार ने कुचला, प्राथमिकी दर्ज

गाजियाबाद, यूटर्न/ 12 जनवरी। मधुबन-बापूधाम थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दूध विक्रेता को टक्कर मार दी। पुलिस ने प्राथमिकी दर्जकर जांच शुरू कर दी। गांव सदरपुर के लोकेंद्र सिंह अपनी बाइक से नौ जनवरी को गोविंदपुरम की ओर दूध लेकर जा रहे थे। जैसे ही वह चौधरी चरण सिंह कुश्ती स्टेडियम के सामने पहुंचे तो पीछे से आ रही वैगनआर कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। मौके पर मौजूद राहगीरों ने कार चालक को पकड़ लिया। हादसे की सूचना बाइक सवार के परिजनों को दी। परिजनों ने उसको अस्पताल में भर्ती कराया। इस बारे में एसीपी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि कार चालक की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

टीएचए के कई इलाकों में पांच से आठ घंटे रही बिजली गुल

साहिबाबाद, यूटर्न/ 12 जनवरी। टीएचए के इलाकों में बिजली कटौती का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को पांच से आठ घंटे की अघोषित बिजली कटौती हुई। वहीं कई इलाकों में बिजली ट्रिपिंग ने भी लोगों को परेशान किया है। लोगों का आरोप है कि आए दिन इलाके में बिजली कटौती समस्या बनी रहती है। अधिकारी देखकर भी अनदेखा कर रहे हैं। तुलसी निकेतन राम किशन बताया कि कॉलोनी में सात से आठ घरों में रात दो बजे से बिजली गुल रही। बिजली नहीं होने की वजह से लोगों को सुबह में पानी भरने के लिए भी परेशानी का सामना करना पड़ा। अधिकारियों को शिकायत करने पर भी घंटों बाद बिजली आपूर्ति सामान्य हुई। वहीं इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में बिजली ट्रिपिंग और बार-बार घंटों की बिजली कटौती से लोग परेशान रहे। स्थानीय निवासियों ने बताया कि कॉलोनी में आए दिन समस्या बनी रहती है।

एनआईटी-1 मार्केट में से मिलेगी निजात, बनेगी मल्टीलेवल पार्किंग

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 12 जनवरी।**

औद्योगिक नगरी फरीदाबाद के सबसे व्यस्त व्यावसायिक इलाकों में शामिल एनआईटी-1 मार्केट में वर्षों से चली आ रही पार्किंग समस्या के समाधान की दिशा में नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। फावड़ा सिंह चौक के समीप प्रस्तावित मल्टीलेवल पार्किंग परियोजना अब कागजों से निकलकर धरातल की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है। नगर निगम ने इस महत्वाकांक्षी योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए कंसल्टेंट नियुक्त कर दिया है और 31 जनवरी तक इसका विस्तृत बजट सरकार को भेजने की तैयारी है।

एनआईटी-1 की मार्केट फरीदाबाद की सबसे व्यस्त और आधुनिक मार्केट में गिनी जाती है। यहां एनआईटी क्षेत्र के साथ ग्रेटर फरीदाबाद, बड़खल विधानसभा क्षेत्र और आसपास के गांवों व कॉलोनियों से रोजाना हजारों लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं। बढ़ती भीड़ के मुकाबले पार्किंग की ठीक व्यवस्था न होने के कारण यहां हमेशा जाम व अव्यवस्था की स्थिति बनी रहती है।

लोगों के साथ दुकानदारों को होती है परेशानी : अधिकांश दुकानदारों ने अपनी दुकानों के सामने की जगह किराये पर दे रखी है जिससे ग्राहकों के लिए वाहन खड़ा करने की गुंजाइश लगभग खत्म हो जाती है। मजबूरी में लोग सड़क किनारे या तंग गलियों में वाहन खड़े कर देते हैं। इसी के चलते बार बार बाजार में जाम की स्थिति बनी रहती है। अगर मार्केट के अंदर चार पहिया वाहन आ जाता है तो घंटों तक ट्रैफिक रेंगता रहता है। इससे मार्केट में आने वाले लोगों के साथ दुकानदारों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

पार्किंग अव्यवस्था के चलते आए दिन वाहन चालकों पर यातायात पुलिस की तरफ से भी कार्रवाई की जाती है। लोग अक्सर गलत स्थान पर वाहन खड़े कर देते हैं इससे ट्रैफिक की व्यवस्था खराब होने पर पुलिस वाहन चालकों के चालान कर देती है।

20 कॉलोनियों में सुधरेगी पेयजल व्यवस्था, 10 इलाकों को पहली बार मिलेगा रेनीवेल का पानी

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 12 जनवरी।**

साल 2026 में फरीदाबाद के लिए पेयजल संकट से राहत की दिशा में एक बड़ी पहल होने जा रही है। नगर निगम और जनस्वास्थ्य विभाग की संयुक्त योजना के तहत शहर की करीब 20 कॉलोनियों में पेयजल व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा, जबकि 10 नई कॉलोनियों में पहली बार रेनीवेल के माध्यम से पाइपलाइन से पानी की आपूर्ति शुरू होगी। लंबे समय से अनियमित सप्लाई, कम दबाव और टैंकरों पर निर्भरता झेल रहे हजारों परिवारों के लिए यह योजना बड़ी राहत लेकर आ रही है।

फरीदाबाद उन शहरों में शामिल है जहां आबादी और औद्योगिक विस्तार के मुकाबले पेयजल संसाधन काफी पीछे छूट गए हैं। वर्तमान में शहर की कुल पेयजल आवश्यकता करीब 450 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) आंकी जाती है जबकि उपलब्ध सप्लाई लगभग 280 एमएलडी के आसपास है। यानी रोजाना करीब 170 एमएलडी पानी की कमी बनी हुई है।

जून 2026 तक छह रेनीवेल से शुरू होगी सप्लाई

योजना के तहत जून 2026 तक शहर में छह नए रेनीवेल से पानी की आपूर्ति शुरू करने का लक्ष्य तय किया गया है। इन रेनीवेल के चालू होने से पेयजल सप्लाई में करीब 60 एमएलडी की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इससे पानी की मौजूदा कमी कुछ हद तक कम होगी और कई इलाकों में सप्लाई अधिक स्थिर और नियमित हो सकेगी। इन रेनीवेल से सैनिक कॉलोनी, जीवन नगर, नंगला क्षेत्र सहित आसपास की कई कॉलोनियों को सीधा लाभ मिलेगा। ये वे इलाके हैं जहां वर्षों से लोग कम दबाव, तय समय पर पानी न आने और गर्मियों में कई-कई दिनों तक सप्लाई बंद रहने जैसी समस्याओं से जूझते रहे हैं।

जानकारी के अनुसार जिन 10 कॉलोनियों में पहली बार रेनीवेल से पानी पहुंचेगा वहां अब तक लोग बोरवेल, निजी टैंकरों या दूर-दराज के स्रोतों पर निर्भर थे। गर्मियों में हालात इतने खराब हो जाते थे कि कई इलाकों में लोगों को पानी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता था या महंगे टैंकर मंगाने पड़ते थे। रेनीवेल आधारित पाइपलाइन सप्लाई शुरू होने से इन क्षेत्रों में पानी को लेकर रोज की परेशानी काफी हद तक खत्म होने की उम्मीद है।

फरीदाबाद की मौजूदा जल आपूर्ति व्यवस्था

वर्तमान में फरीदाबाद की जल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा आगरा नहर और यमुना से जुड़े कच्चे जल स्रोतों पर निर्भर है।

इसके अलावा शहर में सैकड़ों ट्यूबवेल भी चलाए जा रहे हैं लेकिन लगातार दोहन के कारण भूजल स्तर कई इलाकों में चिंताजनक स्थिति में पहुंच चुका है। कई सेक्टरों और कॉलोनियों में भूजल 30 से 40 मीटर से नीचे चला गया है जिससे ट्यूबवेल आधारित सप्लाई भी अस्थिर होती जा रही है।

रेनीवेल प्रणाली को इसलिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि यह सीधे यमुना के जलस्तर से जुड़ी होती है। इससे गर्मियों में भी पानी की उपलब्धता बनी रहती है और भूजल पर दबाव कम पड़ता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि नियंत्रित रेनीवेल सिस्टम से आसपास के क्षेत्रों में भूजल रिचार्ज होने की संभावना भी रहती है। अधिकारियों के मुताबिक फिलहाल छह रेनीवेल को जून 2026 तक चालू करने की योजना है जबकि अन्य छह रेनीवेल का निर्माण कार्य जारी है। इन्हें 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

ट्रैक्टर की खरीद पर तीन लाख का अनुदान, 15 तक करें आवेदन

फरीदाबाद, यूटर्न/ 12 जनवरी। हरियाणा सरकार ने अनुसूचित जाति के किसानों को सशक्त बनाने और आधुनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए ट्रैक्टर अनुदान योजना 2025-26 लागू की है। उपायुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि योजना के तहत 45 हॉर्स पावर या उससे अधिक क्षमता वाले ट्रैक्टर की खरीद पर प्रति किसान 3 लाख रुपये तक का अनुदान दिया जाएगा। इसके लिए किसान का मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण होना अनिवार्य है तथा किसान या उसके परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) में शामिल किसी सदस्य के नाम कृषि भूमि दर्ज होनी चाहिए।

सहायक कृषि अभियंता राकेश कुमार ने बताया कि पात्र किसान 15 जनवरी तक विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यदि आवेदन निर्धारित लक्ष्य से अधिक हुए तो लाभार्थियों का चयन जिला स्तरीय कार्यकारिणी समिति द्वारा लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। चयन के बाद किसानों के दस्तावेजों का सत्यापन होगा और सफल किसानों को ऑनलाइन परमिट जारी किया जाएगा। परमिट मिलने के बाद किसान को 15 दिनों के भीतर अधिकृत डीलर या निर्माता से ट्रैक्टर खरीदना होगा। खरीद के बाद बिल, बीमा, आरटीओ पंजीकरण रसीद और लोकेशन आधारित फोटो ओटीपी के माध्यम से पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। किसान पांच वर्षों तक ट्रैक्टर बेच या स्थानांतरित नहीं कर सकेगा। भौतिक सत्यापन और समिति की मंजूरी के बाद अनुदान राशि सीधे किसान के बैंक खाते में जमा कर दी जाएगी।

मरम्मत कार्य के चलते कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रही

फरीदाबाद, यूटर्न/ 12 जनवरी। शहर में रविवार को मरम्मत कार्य के चलते कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली विभाग द्वारा सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक नेपको, इंडिया वीएक्सएल, बोनी जनरल, बोनी पोलीमर, ओरिएंट जनरल, संजय मेमोरियल, हीनलमैन, भारतीय कटलर हैमर और हरियाणा ग्लोबल क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बंद रखी गई। करीब ढाई घंटे तक बिजली गुल रहने से आम लोगों के साथ-साथ औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियां भी प्रभावित हुईं। बिजली न होने के कारण उद्योगों और फैक्ट्रियों में मशीनें बंद रहीं, जिससे उत्पादन कार्य पूरी तरह ठप हो गया। बिजली आपूर्ति बाधित रहने से बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि कटौती होने के बाद भी निर्धारित समय पर बिजली नहीं आई। उन्होंने बताया कि ऐसा अक्सर होता है कि कटौती के बाद भी बिजली समय पर नहीं आती है, जिसकी वजह से परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं व्यवसायियों ने बताया कि बार-बार कटौती होने से उत्पादन प्रक्रिया भी प्रभावित होती है।

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में पार्किंग की व्यवस्था नहीं

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 12 जनवरी।**

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में रोजाना बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं, लेकिन अस्पताल परिसर में पार्किंग की समुचित व्यवस्था न होने से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। वाहन खड़ा करने की जगह न मिलने के कारण मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अस्पताल आने वाले लोगों का कहना है कि पार्किंग की अव्यवस्था के चलते उन्हें अपने वाहन इधर-उधर खड़े करने पड़ते हैं, जिस पर सुरक्षाकर्मी आपत्ति जताते हैं। इसको लेकर आए दिन बहस और नोंकझोंक की स्थिति बन जाती है। कई बार मरीजों को इलाज के लिए समय पर अंदर पहुंचने में भी देरी हो जाती है।

दरअसल अस्पताल में मरीजों की बढ़ती संख्या के मुकाबले पार्किंग की क्षमता बेहद कम है। इससे न केवल आम लोग परेशान हैं, बल्कि अस्पताल का माहौल भी प्रभावित हो रहा है। इलाज के लिए अस्पताल आने वाले लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि पार्किंग की व्यवस्था को जल्द दुरुस्त किया जाए, ताकि मरीजों और उनके परिजनों को राहत मिल सके।

मेरे पिता को उच्च रक्तचाप और मधुमेह की समस्या है। मैं अक्सर अस्पताल आता रहता हूं। अस्पताल के अंदर बाइक खड़ी करने पर सुरक्षा गार्ड रोक-टोक करने लगता है और बाहर खड़ी करने पर चोरी होने का खतरा रहता है। यहां पार्किंग की समस्या लगातार बनी है।

चुनाव आयुक्तों को कानूनी सुरक्षा का मामला, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और आयोग को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी। मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को मुकदमे से जीवन भर संरक्षण देने के कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट वैधता का परीक्षण करने को तैयार है। एनजीओ लोक प्रहरी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून पर कोई रोक नहीं लगाई है। कानून में संशोधन 2023 में किया गया था जिसके तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को ये संरक्षण दिया गया है कि उनके आधिकारिक काम को लेकर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया जा सकता है। सीजेआई सूर्यकांत ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए इसे एक महत्वपूर्ण मुद्दा बताया है। उन्होंने कहा कि वे इस मामले का परीक्षण करेंगे, देखेंगे कि इस प्रावधान से कोई नुकसान हो रहा है या नहीं, और देखेंगे कि क्या संविधान की व्यवस्था के तहत ऐसी छूट दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्टे की जरूरत नहीं है। अदालत से प्रावधान पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से डीएमआर एक्ट को चुनौती देने वाली याचिका पर मांगा जवाब

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी।**

सुप्रीम कोर्ट ने ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज एक्ट, 1954 (डीएमआर एक्ट) के कुछ प्रावधानों को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। इस मामले में कोर्ट ने कानून मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय और आयुष मंत्रालय से जवाब मांगा है। सोमवार को हुई सुनवाई में अदालत ने साफ किया कि इस याचिका में उठाए गए मुद्दों पर सरकार की राय जानना जरूरी है।

यह याचिका कानून के छात्र नितिन उपाध्याय ने दायर की है। उनकी ओर से पैरवी उनके पिता और वरिष्ठ वकील अश्विनी उपाध्याय ने की। याचिका में मांग की गई है कि आयुष डॉक्टरों को भी कानून के तहत ह्रपंजीकृत चिकित्सक का दर्जा दिया जाए, जैसा कि एलोपैथिक डॉक्टरों को मिलता है। याचिकाकर्ता का कहना है कि 1954 में बना ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज एक्ट आज के समय के हिसाब से पुराना हो चुका है। इस कानून में आयुष डॉक्टरों और उनकी चिकित्सा पद्धतियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है और आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है।

याचिका में यह भी कहा गया है कि आयुष डॉक्टरों को इस एक्ट की धारा 2(सीसी) के तहत पंजीकृत चिकित्सक की परिभाषा में शामिल किया जाना चाहिए। इसके साथ ही याचिका में मांग की गई है कि इस कानून की समीक्षा के लिए एक विशेषज्ञ समिति बनाई जाए, जो मौजूदा वैज्ञानिक विकास और स्वास्थ्य व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए डीएमआर एक्ट को अपडेट करने की सिफारिश करे। याचिकाकर्ता का कहना है कि आयुर्वेद और होम्योपैथी जैसी प्रणालियां आज देश की स्वास्थ्य व्यवस्था का अहम हिस्सा हैं, लेकिन कानून में उन्हें बराबरी का दर्जा नहीं मिल रहा है। इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने की। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने वकील अश्विनी उपाध्याय से पूछा, ह्रक्या वह आपका बेटा है?ह्व इस पर वकील ने जवाब दिया, हां। इसके बाद बेंच ने कहा कि उन्हें लगा था कि लड़का गोल्ड मेडल वगैरह लाएगा, लेकिन वह तो पीआईएल दाखिल कर रहा है।

विराट ने अर्धशतक के साथ ही बनाये कई रिकार्ड

वडोदरा, यूटर्न/ 12 जनवरी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। विराट ने इस मैच में पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाकर 93 रन बनाये पर वह शतक नहीं बना पाये। विराट ने इस मैच में 25 रन बनाने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज 28000 रन पूरे किये। विराट ने सबसे कम पारियों में ये आंकड़ा हासिल कर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। विराट अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने के मामले में सचिन के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कुमार संगकारा का रिकॉर्ड तोड़ा।

कोहली ने सचिन, रिकी पोंटिंग और जो रूट के विशिष्ट क्लब में जगह बना ली है। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन हजार से अधिक रन बनाने वाले पांचवे बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली ने कीवी टीम के सामने 71 पारियों में 3020 रन बनाये हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे अधिक रन का रिकॉर्ड सचिन के नाम है। उन्होंने 80 पारियों में 3345 रन जोड़े। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान पोंटिंग ने 77 पारियों में 3145 रन जबकि इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज रूट ने 71 पारियों में 3097 रन बनाये हैं। सूची में चौथे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर जैक्स कैलिस हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 76 पारियों में 3071 रन बनाये हैं।

युवराज से बल्लेबाजी के टिप्स ले रहे सैमसन

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी।

विकेटीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप से पहले अपनी बल्लेबाजी निखारने के लिए आजकल ऑलराउंडर युवराज सिंह से टिप्स ले रहे हैं। सैमसन को टी20 विश्वकप में अवसर मिला है और उनका लक्ष्य उसमें बेहतर प्रदर्शन करना है। वहीं युवराह संन्यास के बाद से ही कोचिंग दे रहे हैं और उनके यहां से निकले क्रिकेटर काफी बेहतर बनकर उभरे हैं। आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और भारतीय टेस्ट व एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल को भी युवराज ने ही तैयार किया है। अब एक नया वीडियो सोशल मीडिया में आया है।

इसमें युवराज सैमसन को बल्लेबाजी टिप्स देते दिख रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि सैमसन बड़े ही ध्यान से युवराज की बातों को सुन रहे हैं। वीडियो में यह भी दिख रहा है कि युवराज काफी देर तक सैमसन से बात कर रहे हैं और अपने हाथों से संकेत कर उन्हें किसी विशेष शॉट के बारे में समझा रहे हों। सैमसन के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। ऐसे में उनके लिए युवराज से बल्लेबाजी के टिप्स लेना फायदेमंद साबित हो सकता है। भारतीय टीम को टी20 विश्व कप 2026 से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। सैमसन इस सीरीज में अभिषेक के साथ करेंगे। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता कई बार साबित कर चुके हैं। सैमसन की टाइमिंग अच्छी है जिसके आधार पर वह तेज पारियां खेलते हैं पर उनके फुटवर्क में कमी है जिससे उन्हें कई बार नुकसान भी हुआ है। ऐसे में युवराज के टिप्स से उनकी परेशानी कम हो सकती है। सैमसन ने 52 टी20 मैचों की 44 पारियों में 4 बार नाबाद रहते हुए 3 शतक और 3 अर्धशतक की मदद से 1032 रन बनाए हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर 111 है।

राधिका के रूप में दर्शकों के सामने आएंगी अक्षिता मुद्गल

जीटीवी के नए शो लक्ष्मी निवास में अभिनेत्री अक्षिता मुद्गल अपने किरदार राधिका के रूप में दर्शकों के सामने आएंगी। इस शो में राधिका, लक्ष्मी और श्रीनिवास की बड़ी बेटी का किरदार निभा रही हैं। अक्षिता ने इस किरदार के बारे में बताया कि राधिका परिवार के लिए सब कुछ है और उसके सपने हमेशा माता-पिता और परिवार की खुशियों से जुड़े हैं। अक्षिता ने कहा, राधिका एक ऐसी लड़की है जो अपने परिवार के लिए कुछ भी करने को तैयार रहती है। शो लक्ष्मी निवास भारतीय मध्यमवर्गीय संयुक्त परिवारों की रोजमर्रा की जिंदगी की भावनाओं को दशार्ता है। यह कहानी सपनों, जिम्मेदारियों और परिवार की एकजुटता को भावनात्मक तरीके से पेश करती है। राधिका का किरदार इस कहानी में नया भावनात्मक रंग जोड़ता है। वह सरल, परिपक्व और पूरी तरह परिवार के लिए समर्पित है। अपने माता-पिता की खुशी को वह अपनी खुशी से ऊपर रखती है। अक्षिता ने आगे कहा, राधिका एक मजबूत और संयमित लड़की है, जो अपने परिवार की इच्छाओं को अपने सपनों से ऊपर रखती है। वह अपने भाई-बहनों से बेहद प्यार करती है और परिवार ही उसके जीवन की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। राधिका का यह त्याग और समर्पण कई भारतीय बेटियों की चुपचाप की जाने वाली कुर्बानियों को दशार्ता है, जो संयुक्त परिवारों में आम होती हैं। शो की कहानी लक्ष्मी और श्रीनिवास के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पिछले 35 साल से किराए के मकान में रह रहे हैं और उनका सपना है कि वे अपना घर बनाएं और बच्चों का भविष्य सुरक्षित करें।

मां बनना आपको बदल देता है, अनुष्का शर्मा ने मातृत्व अनुभव को किया साझा

बॉलीवुड में कई अभिनेत्रियां अपने करियर के शिखर पर मातृत्व का अनुभव करती हैं, और इस दौरान उनकी जिंदगी में आए बदलाव और उनके विचार हमेशा चर्चा में रहते हैं। इसी कड़ी में अभिनेत्री अनुष्का शर्मा की जीवन यात्रा भी बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने सोमवार को बेटी वामिका के पांचवें जन्मदिन के मौके पर अपनी मातृत्व यात्रा को याद किया। अनुष्का शर्मा ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, मां बनना आपको उन तरीकों से बदल देता है जो मायने रखते हैं। आपको पहले जैसा रहने की जरूरत नहीं है।

अभिनेत्री के पोस्ट के अनुसार, मातृत्व जीवन में नई जिम्मेदारियां और सीख लेकर आता है। हर एक छोटी-छोटी बात, चाहे वह वामिका की पहली मुस्कान हो, पहला कदम हो, या उसके साथ बिताया गया साधारण समय, उनके लिए अनमोल है। अनुष्का शर्मा का यह पोस्ट फैंस और सोशल मीडिया फॉलोअर्स के लिए काफी प्रेरणादायक है। विराट और अनुष्का न सिर्फ भारत में, बल्कि दुनिया के मशहूर कपल में शुमार हैं। विराट अक्सर सोशल मीडिया के जरिए अनुष्का शर्मा के साथ तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। अनुष्का और विराट कोहली ने दिसंबर 2017 में इटली में शादी की थी। दोनों की मुलाकात 2013 में एक शैम्पू ऐड शूट के दौरान हुई थी। विराट कोहली ने इंटरव्यू में बताया था कि अनुष्का से पहली मुलाकात में वह काफी घबराए हुए थे और इस घबराहट को खत्म करने के लिए उन्होंने अनुष्का को एक जोक सुनाया था। इस दौरान दोनों के बीच दोस्ती हुई। इसके बाद दोनों को कई बार साथ देखा गया। चार साल तक डेट करने के बाद दोनों ने 1 दिसंबर 2017 को इटली में शादी कर ली। शादी में कुछ ही खास मेहमानों को ही न्योता दिया गया था। 2021 में कपल ने बेटी वामिका का स्वागत किया था। इसके बाद फरवरी 2024 में उनके बेटे अकाय का जन्म हुआ। अनुष्का शर्मा काफी समय से सिनेमा से दूर हैं। उनकी आखिरी फिल्म 2018 की आई जीरो थी, जिसे आनंद एल राय ने डायरेक्ट किया था। फिल्म में शाहरुख खान और कैटरीना कैफ भी लीड रोल में नजर आए थे।

6 साल में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर शुरू किया काम, 300 रुपए से बना लिए 50 करोड़ आज साउथ स्टार यश रॉकिंग स्टार बनकर दुनियाभर में अपने अभिनय का बजा रहे डंका

मात्र 6 साल की उम्र में एक अभिनेता ने बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर अपना करियर शुरू करने के लिए कदम बढ़ाया। फिल्म भले ही बंद हो गई, लेकिन इस कलाकार के अंदर की उम्मीद और चाह खत्म नहीं हुई। इस कलाकार ने ठान ली कि यह अभिनय की दुनिया में नाम कमाकर ही रहेगा और उसने यह कर दिखाया। चाय पिलाई, बैकस्टेज काम किया। अभिनेता बनने के लिए 300 रुपए लेकर घर से भागा था। इंडस्ट्री में संघर्ष किया और आज रॉकिंग स्टार बनकर दुनियाभर में अपने अभिनय का डंका बजवा रहा है। यह अभिनेता का नाम है रॉकिंग स्टार यश। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कन्नड़ सिनेमा के सुपरस्टार और हाइएस्ट पेड एक्टर्स में शुमार यश आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं और इस शोहरत के लिए उन्होंने खूब मेहनत की। 8 जनवरी 1986 को कर्नाटक में जन्मे यशवंत उर्फ यश के पिता अरुण कुमार एक बस ड्राइवर थे जबकि उनकी मां ग्रहणी हैं। यश को बचपन से ही अभिनेता बनने का शोक था और उन्होंने इस सपने को पूरा करने के लिए एढ़ी चोटी का जोर लगा दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यश सिर्फ 6 साल के थे, जब उन्होंने सिनेमा में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया।

संक्षिप्त खबरें

चीन ने कई देशों में अपने राजदूत बदले

बीजिंग, यूटर्न/ 12 जनवरी। चीन ने फिलीपींस और नीदरलैंड सहित विभिन्न देशों में अपने राजदूतों को बदल दिया है। एक आधिकारिक बयान में सोमवार को बताया गया कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नेशनल पीपल्स कांग्रेस की स्थायी समिति के फैसले के अनुसार श्री जिंग क्वान को श्री हुआंग ज़िलियन की जगह फिलीपींस में राजदूत नियुक्त किया है। वहीं, श्री शेन बो को टैन जियान की जगह नीदरलैंड में राजदूत नियुक्त किया गया है। श्री जियांग वेई को श्री झांग यानलिंग की जगह एंटीगुआ और बारबुडा में राजदूत नियुक्त किया गया है।

जर्मनी, इजरायल ने साइबरडोम बनाने के लिए किया समझौता

बर्लिन, यूटर्न/ 12 जनवरी। जर्मनी और इजरायल ने संयुक्त सुरक्षा कार्य को लेकर एक समझौता किया है, जिसमें साइबर हमलों को रोकने के लिए एक जर्मन ढ्डोमह्ह का निर्माण भी शामिल है। जर्मनी के द हैंडेल्सब्लाट अखबार ने की रिपोर्ट के अनुसार इस समझौते पर जर्मनी गृहमंत्री मंत्री अलेक्जेंडर डोब्रिंड्ट और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ने हस्ताक्षर किया। अखबार की रिपोर्ट के अनुसार ने स्पष्ट किया कि यह समझौता जर्मनी गृहमंत्री मंत्री अलेक्जेंडर डोब्रिंड्ट के इजराइल के दो दिवसीय दौरे के दौरान हुआ। अखबार ने बताया है कि यह सिस्टम स्वचालित रूप से साइबर हमलों और ड्रोन हमलों का पता लगाएगा और उन्हें रोकेगा।

खामेनेई के खिलाफ चल रही रैली में ईरान का बेनर लगा ट्रक घुसा, कईयों को कुचला

वॉशिंगटन, यूटर्न/ 12 जनवरी। अमेरिका के लॉस एंजिल्स शहर में ईरान का बेनर लगा एक ट्रक खामेनेई के विरोध में निकाली जा रही रैली में घुस गया। इस ट्रक पर चिपके एक बड़े बैनर पर लिखा था- नो शाह, नो रेजीम, यूएस 1953 मत दोहराओ, नो मुल्ला। इस संदेश को देखकर मौके पर मौजूद लोगों में गुस्सा और डर दोनों फैल गया। यह घटना शहर के वेस्टवुड इलाके में हुई, जहां सैकड़ों लोग ईरानी झंडे लहराते हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के समर्थन में मार्च कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रक तेज रफ्तार में प्रदर्शनकारियों की ओर बढ़ा, जिससे लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। हादसे के तुरंत बाद हालात बेकाबू हो गए।

ईरान में 84 घंटे से ज्यादा समय से फोन संपर्क ठप, मौत का आंकड़ा 500 पार पहुंचा; हजारों लोग गिरफ्तार

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जनवरी।

ईरान में दो हफ्ते से ज्यादा समय से लोगों का प्रदर्शन जारी है। खामेनेई सरकार के खिलाफ जनता सड़कों पर उतरी हुई है।

84 घंटे से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी ईरान में इंटरनेट सेवा बंद है और लोग फोन पर भी एक-दूसरे से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। इस बीच अमेरिकी मीडिया ने दावा किया है कि ईरान में विरोध प्रदर्शन के दौरान अब तक 544 लोग मारे जा चुके हैं। वहीं गिरफ्तार होने वाले लोगों का आंकड़ा 10 हजार के पार जा चुका है।

पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि 15 दिनों से जारी इस विरोध प्रदर्शन में करीब 115 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, जबकि दो हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, अब अमेरिकी राइट्स ग्रुप ने देश में बड़े पैमाने पर हो रहे सरकार-विरोधी प्रदर्शनों के बीच मरने वालों की संख्या 544 बताई है। ईरान में ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स संगठन की न्यूज सर्विस, ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी (एचआरएएनए), ने बताया कि पिछले 15 दिनों में प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 544 लोग मारे गए हैं। इनमें आठ बच्चे भी शामिल हैं। एजेंसी ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद 10,681 से ज्यादा लोगों को जेलों में भी भेजा गया है। बता दें, बीते दिन एक वीडियो सामने आई थी, जिसमें प्रदर्शनकारी बच्चों को टारगेट करते हुए विस्फोटक फेंकते हैं। हालांकि, वीडियो में नजर आ रहे बच्चे बाल-बाल बच गए। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जानकारी दी है कि ईरान ने बातचीत के लिए हामी भरी है।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सरकार मामले में हस्तक्षेप के लिए संभावित सैन्य विकल्पों पर विचार कर रही है। इसलिए ईरान बात करने के लिए तैयार हो गया है। इससे पहले ईरानी संसद के स्पीकर ने चेतावनी दी थी कि अगर अमेरिकी सेना दखल देती है तो अमेरिकी मिलिट्री और कमर्शियल बेस को बदले की कार्रवाई का टारगेट माना जाएगा।

इससे पहले अमेरिकी मीडिया न्यूयॉर्क टाइम्स ने जानकारी दी थी कि ट्रंप को ईरान के मामले में सैन्य विकल्पों की ब्रीफिंग दी गई थी।

ऐसे में ईरान की ओर से बातचीत की पहल की गई है। इससे पहले खामेनेई का एक वीडियो सामने आया, जिसमें वो कहते हैं, शत्रुओं की तमाम कोशिशों के बावजूद, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान आज दुनिया में मजबूत, ताकतवर और खुशहाल है। उन लोगों ने पिछले 40 सालों में हमारे खिलाफ हर संभव एक्शन लेने की पूरी कोशिश की।

मिनेसोटा प्रकरण पर ट्रंप ने आईसीई का लिया पक्ष, मारी गई महिला निकोल गुड के व्यवहार को बताया गलत

» वाशिंगटन, यूटर्न/ 12 जनवरी।

मेरिका के मिनेसोटा के मिनियापोलिस के मामले ने काफी तूल पकड़ लिया है। सड़क से गोल्डन ग्लोबल अवॉर्ड्स के मंच तक में विरोध जताया गया। शुरू से ही देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन विरोध प्रदर्शनों की मुखालफत करते आए हैं। पत्रकारों ने जब उनसे एयरफोर्स वन में सवाल किया तो उन्होंने आव्रजन और सीमा शुल्क विभाग (आईसीई) अधिकारी की गोली का शिकार हुई रेनी निकोल गुड के व्यवहार को ही इसका दोषी बताया।

ट्रंप ने कहा, हमें अपने लॉ एनफोर्समेंट (कानून लागू करने वाली एजेंसियों) का सम्मान करना होगा। कम से कम, उस महिला ने लॉ एनफोर्समेंट के साथ बहुत, बहुत बुरा बर्ताव किया। आप लॉ एनफोर्समेंट के साथ ऐसा नहीं कर सकते, चाहे वह पुलिस हो, या आईसीई, या बॉर्डर पेट्रोल हो या फिर कोई और हो। उन्होंने कहा कि मारी गई महिला का आईसीई अधिकारी के साथ व्यवहार बहुत असम्मानजनक था। मुझे लगता है वो प्रोफेशनल एजिटेटर्स (विद्रोही) थीं, और मैं पता लगाऊंगा कि उन्हें इस काम के लिए कौन पैसे दे रहा है। बता दें कि एक आईसीई अधिकारी ने बुधवार को मिनेसोटा राज्य के मिनियापोलिस शहर में एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी थी जिसके बाद से ही पूरे राज्य के लोगों में भारी गुस्सा है। लोग सड़क पर इसका विरोध कर रहे हैं। अमेरिकी महिला की हत्या राष्ट्रपति ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन नीतियों के बीच हुई है। 37 साल की रेनी निकोल गुड को 34वीं स्ट्रीट और पोर्टलैंड एवेन्यू के चौराहे के पास गोली मारी गई थी। तब वो अपनी एसयूवी में थीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम शुरू से ही मौत का दोषी उसे ही बता रहे हैं।

पाकिस्तान-बांग्लादेश रक्षा संबंध पर टिप्पणी करने का भारत को कोई अधिकार नहीं

जेएफ-17 लड़ाकू विमान पर भारतीय टिप्पणियां पर शहबाज सरकार ने दी प्रतिक्रिया

इस्लामाबाद, यूटर्न/ 12 जनवरी। पाकिस्तान ने रक्षा से जुड़े कामों सहित कंस्ट्रक्शन और दूसरे अहम सेक्टरों में पाकिस्तान-बांग्लादेश सहयोग के बारे में भारतीय टिप्पणियों पर शहबाज सरकार की तरफ से ये प्रतिक्रिया आई है। मीडिया रिपोर्ट में पाकिस्तान विदेश मंत्रालय से जुड़े सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि जेएफ-17 लड़ाकू विमान के बांग्लादेश को खरीदने की संभावना के बारे में भारतीय टिप्पणियां पूरी तरह से गलत हैं। पाकिस्तान ने आगे कहा कि ऐसी टिप्पणियां द्विपक्षीय मामलों में बेवजह दखलंदाजी दिखाती हैं। पाकिस्तान विदेश

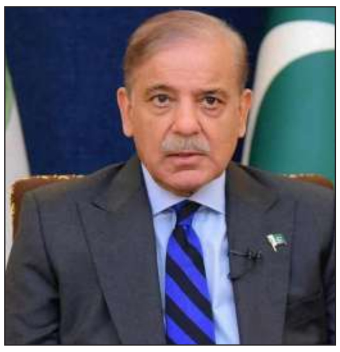

मंत्रालय ने कहा है कि इस्लामाबाद और ढाका के बीच संबंधों की प्रकृति या दायरे पर टिप्पणी करने का भारत को कोई अधिकार नहीं है। पाकिस्तान विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय सहयोग एक संप्रभु मामला है और इसके लिए किसी तीसरे देश से पुष्टि या मंजूरी की जरूरत नहीं है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की तरफ से ये बयान उस वक्त आया है, जब भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पहले कहा था कि नई दिल्ली, पाकिस्तान से जेएफ-17 थंडर फाइटर एयरक्राफ्ट की संभावित खरीद के संबंध में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच हो रही बातचीत पर करीब से नजर रख रहा है। जायसवाल ने इसके अलावा 29 जनवरी से ढाका और करांची के बीच सीधी उड़ानों को फिर से शुरू करने और क्या भारतीय हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल के लिए भारत की अनुमति की जरूरत होगी, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों को मौजूदा व्यवस्थाओं के तहत मैनेज किया जाएगा।

ईरान में गृहयुद्ध के हालात: प्रदर्शनकारियों के लिए मृत्युदंड का फरमान, फिर भी नहीं थम रही हिंसा

» तेहरान, यूटर्न/ 12 जनवरी।

ईरान में जारी व्यापक जनविद्रोह अब एक भयावह और रक्त रंजित दौर में प्रवेश कर चुका है। पिछले दो हफ्तों से सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सरकार ने अब तक का सबसे कठोर रुख अपनाते हुए उन्हें सीधे तौर पर मौत की सजा देने का ऐलान किया है। देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई के निर्देशों के बाद प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को सजा-ए-मौत देने का फैसला सुनाया है। सरकार का कहना है कि विद्रोह में शामिल लोगों को खुदा का दुश्मन माना जाएगा और यह सजा

न केवल प्रदर्शन करने वालों पर, बल्कि उनकी मदद करने वालों पर भी लागू होगी। ईरान के अटॉर्नी जनरल मोहम्मद मोवाहेदी आजाद ने इस संबंध में आधिकारिक चेतावनी जारी करते हुए मोहरेब कानून का हवाला दिया है। इस क्रूर कानून के अनुच्छेद 190 के तहत, दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति को फांसी पर लटकाने, उसके हाथ-पैर काटने या उसे स्थायी रूप से देश निकाला देने का प्रावधान है। सरकार की इस घोषणा ने देशभर में खौफ और आक्रोश को और बढ़ा दिया है। जानकारों का मानना है कि इस कानून का इस्तेमाल शासन के खिलाफ उठने वाली हर आवाज को स्थायी रूप से खामोश करने के लिए किया जा रहा है। ईरान में इस समय सूचनाओं का पूरी तरह से अकाल है क्योंकि सरकार ने इंटरनेट और टेलीफोन सेवाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

फिलिस्तीन समर्थकों की हिदायत, यूनुस सरकार गाजा स्टेबिलाइजेशन फोर्स से बनाए दूरी

» ढाका, यूटर्न/ 12 जनवरी।

बांग्लादेश में फिलिस्तीन के समर्थन में सक्रिय समूह पैलेस्टाइन सोलिडैरिटी कमेटी ने सरकार को स्पष्ट हिदायत दी है कि वह प्रस्तावित गाजा स्टेबिलाइजेशन फोर्स (अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल) में किसी भी प्रकार की भागीदारी न करे। समिति का कहना है कि बांग्लादेश का ऐतिहासिक और नैतिक रुख हमेशा से फिलिस्तीनी जनता के पक्ष में रहा है और ऐसे किसी अंतरराष्ट्रीय सैन्य या सुरक्षा ढांचे में शामिल होना इस परंपरागत नीति के विपरीत होगा। मीडिया आउटलेट द डेली स्टार के अनुसार, पैलेस्टाइन सॉलिडैरिटी कमेटी, बांग्लादेश ने रविवार को अंतरिम सरकार की गाजा के लिए प्रस्तावित इंटरनेशनल स्टेबिलाइजेशन फोर्स में शामिल होने की दिलचस्पी की कड़ी निंदा की। समिति ने

रविवार को अपने बयान में कहा कि गाजा इस समय गंभीर मानवीय संकट से गुजर रहा है, जहां आम नागरिक लगातार हिंसा, विस्थापन और बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना कर रहे हैं। ऐसे हालात में किसी स्टेबिलाइजेशन फोर्स का गठन, जो जमीनी सच्चाई में सैन्य उपस्थिति बढ़ा सकता है, शांति के बजाय तनाव को और गहरा कर सकता है। समिति के अनुसार, फिलिस्तीनी की समस्या का समाधान सैन्य हस्तक्षेप से नहीं बल्कि न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन से ही संभव है। कमेटी के मेंबर सेक्रेटरी प्रोफेसर एमडी हारुन-ओर-रशीद ने कहा कि स्टेबिलाइजेशन फोर्स की मुख्य जिम्मेदारी इजरायल की सुरक्षा पक्की करने के बहाने गाजा में आजादी के लिए लड़ने वालों से हथियार छीनना और बदले में फिलिस्तीनी लोगों के विरोध आंदोलन को पूरी तरह खत्म करना होगा।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *